आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 18 नवंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 19

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

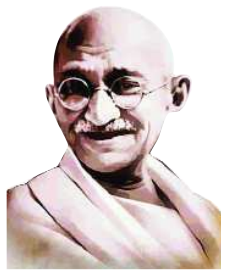

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

9 माह में एक किमी टूटा बीआरटीएस

पेज-2

'हक' में यामी गौतम की दमदार परफॉर्मेंस

पेज-5

मेयर-इन-कौंसिल की आज बैठक

पेज-6

बिना प्लानिंग कहीं से भी शुरू कर देते हैं निर्माण

अधिकारियों-ठेकेदारों की मन-मर्जी से हो रहा शहर का विकास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ऐसा नहीं है कि शहरवासी इंदौर का विकास होता नहीं देखना चाहते हैं या विकास विरोध हैं। जब भी शहर में किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा होती है, तो इंदौरवासियों के सीने चौड़े हो जाते हैं कि हमारा शहर भी मेट्रो सिटी बनने की राह में तेजी से बढ़ रहा हो। चाहे वो 23 मास्टर प्लान की सड़कें हों, फिर मेट्रो प्रोजेक्ट या फिर बायपास पर बनने वाले ओवरब्रिज या फिर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट या शहर की सड़कों पर बनने वाले फ्लाय ओवर। दिक्कत तब शुरू हो जाती है, जब निर्माण करने वाली एजेंसी या ठेकेदार मौके पर बिना आम जनता की परवाह किए अपनी मर्जी से काम शुरू कर देते हैं।

तीन माह बाद भी यहां बाइक निकलना भी मुश्किल हो रहा है। बड़ी बात यह है कि इस क्षेत्र में एक कॉलेज, एक स्कूल, एक कार्पोरेट अस्पताल, इस्कान मंदिर इस सड़क से लगा हुआ है। सैकड़ों विद्यार्थियों का यहां से गुजर होता है। दर्जनों स्कूल बसें इस रास्ते से गुजरती थी, लेकिन इसकी चिंता किसी को नहीं है। सैकड़ों अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल दोपहिया वाहन से लाने-लेजाने आते हैं, उन्हें इस खतरनाक रास्ते को मजबूरी में पार करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बाद भी वर्तमान में यहां का काम ठप से पड़ा हुआ है।

घर में कैद होने के हो गए मजबूर

वहीं स्टार चौराहा से जमजम चौराहा, खजराना की मास्टर प्लान की सड़क बन रही है। यहां भी निर्माण एजेंसी अपनी मनमानी कर रही है। एक तरफ की आधी-अधूरी सड़क का निर्माण हुआ है। बिजली लाइन आठ माह भी शिफ्ट नहीं हो पाई, वहीं दूसरी तरफ की खुदाई शुरू कर दी गई। यहां लोग रह रहे हैं। इनके घरों के सामने पांच से छह फुट के गहरी खाई जैसी खुदाई हो गई है। बुजुर्ग, बच्चे, महिलाएं घरों में कैद होने को मजबूर हो गई हैं। खुदाई करीब आधा किलोमीटर तक हुई, लेकिन यहां सड़क कब तक बनेगी, कब तक लोगों को घरों में कैद रहना पड़ेगा। लोगों की दुकान- धंधा ठप हो जाएंगे, इसकी किसी को कोई चिंता नहीं है ।

मासूम की जान से खिलवाड़- इतनी ही नहीं इस रास्ते से छोटे बच्चों को भरकर अन्य स्कूल के वैन, रिक्शा आदि भी गुजरती हैं। सड़क के लिए खोदा गड्ढा इतना खतरनाक है कि दोपहिया वाहन चालक भी एक बार रुककर सोचते हैं कि निकले या नहीं। वहीं दोपहिया वाहन पर दो-तीन सवारी बैठी होती है, तो उन्हें इसे पार करने के लिए उतरना पड़ता है। यहां से निकलने वाली स्कूली वैन बेधड़क निकल रही हैं, इनमें छोटे स्कूली बच्चे बैठे होते हैं, जिनके साथ कभी हादसा हो जाता है, वैन चालक घुमकर जाने के बजाए, खतरों से खेल रहे हैं।

महीनों से परेशान हो रहे निपानिया के रहवासी

मास्टर प्लान के प्रथम फेज में 8 सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इसमें एडवांस एकडमी से निपानिया होते हुए रिंग रोड की सड़क भी शामिल हैं। यहां सिका कॉलेज के आगे निपानिया जाने वाली सड़क गत करीब तीन-चार माह से खुदी हुई है। इसके कारण यह रास्ता ही बंद हो गया है। हालत यह है कि यहां सड़क का निर्माण एजेंसी द्वारा जहां मर्जी हो वहां से किया जा रहा है, लेकिन जो मुख्य रास्ता है, उसका कार्य इतनी धीमी गति से किया जा रहा है

मिलावट के दौर में ठंड में नहीं रही वो ठंडक...

दैनिक इंदौर संकेत

मौसम का पारा 6.4 डिग्री तक गिर गया... दशकों का रिकॉर्ड टूट गया...सालों बाद नवंबर में आई ऐसी ठंड.., किंतु जनमानस को नहीं हो रहा है ऐसी कंपकंपाती और ठिठुराती ठंड का अहसास... अभी तो स्वेटर और जर्किन भी पूरे नहीं निकले.., टोपे और मफलर की बात तो दूर... अभी नहीं जम रहा खोपरे का तेल... अभी तो आधा-अधूरा रंग ही जमा गजक का... अभी गराडू के ठेले नहीं दिख रहे हैं चौराहे-चौराहे... अभी शादियों में भी नहीं शुरू हुआ अलाव का दौर तो क्या मिलावट के इस दौर में ठंड की ठंडक में भी मिलावट घुल मिल गई है..? क्या अब ठंड भी वक्त की नजाकत को भांपकर अपनी ठंडक को मिलावट से मुक्त नहीं कर पाया..? वैसे भी मालवा की तासिर है कि वह प्रकृति के हर मौसम के अनुसार अपने आपको ढाल लेती है... ऐसे में मालवा भी ठंड के मौसम के अनुसार स्वाद को अपनाने को तैयार है.., लेकिन ठंड हैं कि अपने पूरे यौवन के साथ नहीं उतर रही है तो मालवा में ज्वार, बाजरा और मक्के का स्वाद भी अभी नहीं चढ़ रहा है जुबान पर...

अपनी बात
आशीष गुप्ता

हर साल जैसे-जैसे सर्दियों के महीने आते हैं, लोगों में यह चर्चा जोर पकड़ने लगती है कि पुराने ज़माने जैसी ठिठुरन वाली ठंड अब महसूस नहीं होती। बढ़ती मिलावट चाहे वह हमारे खानपान में हो, हवा-पानी में या पहनावे में ठंड की परंपरागत अनुभूति को बदल रही है। मिलावट और प्रदूषण की वजह से ठंड का स्वरूप बदल गया है। अब ठंड की ठंडक में, सर्दियों के मौसम में वह पुरानी, सांसों को ताजगी देने वाली सधी सर्दी अब कम ही महसूस होती है। वास्तविक ठंडक के अनुभव के लिए न सिर्फ प्राकृतिक संतुलन, बल्कि वातावरण की साफ-सफाई भी आवश्यक है। शुद्ध मौसम और स्पष्ट वातावरण के बिना 'वो ठंडक' सिर्फ यादों में रहती जा रही है। अब ठंड भी हिमाचल और कश्मीर से आने वाली बर्फीली हवाओं के दौर में ही अपना पूरा रंग दिखाती नजर आ रही है। अगर यह बर्फीली हवाओं का आगमन रुक जाए तो सर्दियों के मौसम में ऐसी सुहानी धूप किसी को नहीं सुहाएगी। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में सुनहरी ठंड और बचपन की मौसमी सर्दी यादों में ही रह जाएगी। बदले में बाजार और मिलावट की साजिशें हमारे शरीर को हर रोज अंदर से खोखला करती रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

- छत्तीसगढ़ विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में पेश किए जा सकते हैं कुछ औपचारिक प्रस्ताव
- केरल सरकार ने राज्य में एसआईआर पर रोक लगाने की मांग करते हुए एससी का खटखटाया दरवाजा
- दिल्ली में धमाका करने से पहले आतंकी उमर ने बनाया था सनसनीखेज वीडियो
- दिल्ली कार धमाके में आतंकियों ने हमास और आईएसआईएस से प्रेरित होकर ड्रोन हमले की बनाई थी योजना
- दिल्ली में अल फलाह ट्रस्ट पर ईडी की छापेमारी
- दिल्ली में चेन स्नेचिंग करने वाले तीन कुख्यात लुटेरे गिरफ्तार, 93 मुकदमों का खुलासा
- यूएन ने बांग्लादेश की पूर्व पीएम हसीना को दी गई मौत की सजा पर जताया खेद
- पटना : बिहार में चुनावी हार को लेकर प्रशांत किशोर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे
- हम सऊदी अरब को एफ 35 विमान बेचेंगे-ट्रंप
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या में समीक्षा

डॉक्टर ने बच्ची को एक्सपायरी वैक्सीन लगाई

विरोध पर रैपर बदला, दंपती के साथ मारपीट की; पुलिस ने डॉक्टर पर केस दर्ज किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ढाई महीने की बच्ची को वैक्सीन लगवाने पहुंचे दंपती को एक प्राइवेट हॉस्पिटल में बड़ी लापरवाही का सामना करना पड़ा। डॉक्टर ने कथित तौर पर बच्ची को एक्सपायरी वैक्सीन लगा दी। जब परिजनों ने वैक्सीन के रैपर पर लिखी जानकारी देखकर आपत्ति जताई, तो डॉक्टर ने रैपर बदलने की कोशिश की और विरोध करने पर परिजनों से मारपीट भी की। मामले में पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

मामला मूसाखेड़ी निवासी राहुल ठाकुर की ढाई माह की बच्ची से जुड़ा है। सोमवार रात राहुल अपनी पत्नी रोशनी के साथ सपना-संगीता रोड स्थित हॉस्पिटल में पीडियाट्रिशियन डॉक्टर के पास बच्ची को वैक्सीन लगवाने पहुंचे। रिसेप्शन पर उनसे 730 रुपए शुल्क लिया गया। डॉक्टर ने बच्ची को वैक्सीन लगाई। इस दौरान राहुल की नजर बच्ची की फाइल पर चिपकाए गए वैक्सीन के रैपर पर गई, जिस पर वैक्सीन की एक्सपायरी मई 2025 लिखी थी, जो समाप्त हो चुकी थी। इसे लेकर राहुल ने आपत्ति जताई।

डॉक्टर पर रैपर बदलने का आरोप

आरोप है कि इस पर डॉ. अग्रवाल ने फाइल से रैपर निकालकर उसकी जगह दूसरा रैपर चिपका दिया। जब राहुल ने इसका विरोध किया, तो डॉक्टर ने उनके साथ बदसलूकी कर मारपीट की और दंपती को अस्पताल से बाहर निकालते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पारदर्शी और सार्थक निराकरण के लिए अधिकारी और शिकायतकर्ता का कराया आमना-सामना

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों को लेकर कलेक्टर की अभिनव पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लगातार सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत दर्ज शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और सार्थक निराकरण के प्रयास किए जाते है, लेकिन फिर भी कई शिकायतों का निराकरण नहीं हो पाया तो कलेक्टर ने सोमवार को टीएल बैठक में उन शिकायतकर्ताओं को ही बुला लिया और उनका सामना संबंधित अधिकारियों से करवाया।

एक शिकायतकर्ता भारती भार्गव ने बताया कि हमने सामूहिक विवाह के पंजीयन के लिए आवेदन किया था, लेकिन फार्म समय पर ठीक से नहीं भर पाए थे। हमने कई संबंधित अधिकारियों, जोन कार्यालय, विधायक कार्यालय पर संपर्क किया, लेकिन हमारी किसी ने नहीं सुनी। हमें फार्म जमा करने की भी तारीख गलत बताई गई थी, जिसके कारण हमने जैसे-जैसे फार्म भरा, लेकिन समय पर नहीं भरने के कारण हम सामूहिक विवाह में सम्मिलित नहीं हो सके थे। जिससे हमें आर्य समाज में शादी करना पड़ी। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को डपटा और कहा कि हमें सिर्फ लोगों मदद हर तरह से करनी है। चाहे उसे फार्म भरना आता हो या नहीं वह भी हमें फार्म भरकर उसकी सहायता करना होगी। इसी तरह एक अन्य शिकायत कर्ता राजेश सोनकर ने बताया कि उन्होंने सोलर प्लेट लगवाई थी, लेकिन आज तक उसकी सब्सिडी का लाभ नहीं मिल पाया है। वेंडर द्वारा फरवरी में सोलर प्लेट लगाई थी, लेकिन उसके आपसी मतभेद के कारण मुझे कोई लाभ नहीं मिला। इसलिए मैंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी। कलेक्टर द्वारा हमें बुलाकर संबंधित अधिकारियों से सामना कराने का अनूठा प्रयोग काफी अच्छा रहा और हमारी शिकायतों का त्वरित निराकरण भी हो सका।

पांच आवेदकों को सुना

आयोजित बैठक में कलेक्टर वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के पांच आवेदकों को बुलाकर उनके आवेदन संबंधी समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों से उनकी मौजूदगी में चर्चा की। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण में आवेदन लंबे समय तक लंबित रहने के कारणों की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी हालत में जन शिकायतों के समाधान अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए की आवेदकों को क्षतिपूर्ति की राशि संबंधित दोषी अधिकारियों से वसूल कर दी जाए। उन्होंने हाल फिलहाल यह राशि रेडक्रॉस से देने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि बाद में यह राशि रेडक्रॉस में संबंधित अधिकारियों से जमा करवाई जाए। कलेक्टर शिवम वर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों को तीन दिन के भीतर जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

रजवाड़ों के क्षेत्र में शुरू हुआ राजनीतिक खेला

सिंधिया के गढ़ में दिग्विजय हुए एक्टिव

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और उनके बेटे जयवर्धन सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ और उनके संसदीय क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से एक्टिव नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि अब भाजपा में हलचल पैदा हो गई है। 50 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ले ली है। यह सदस्यता अभियान खुद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के गृह नगर राघोगढ़ में आयोजित किया गया। शिवपुरी जिले की कोलारस विधानसभा के बदरवास ब्लॉक से आने वाले करीब 60 से 70 भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता लेकर भाजपा पर उपेक्षा का आरोप लगाया।

बड़े कार्यकर्ता और बड़े नेता भी हो सकते हैं शामिल

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के गृह नगर राघोगढ़ में चलाए गए कांग्रेस सदस्यता अभियान के दौरान अभी 50 से ज्यादा छोटे कार्यकर्ताओं ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ली है। पोहरी विधायक कैलाश कुशवाहा का कहना है, कि कुछ दिनों में शिवपुरी जिले के हजारों भाजपा कार्यकर्ता मेरे संपर्क में हैं। जल्द ही एक बड़ा कार्यक्रम होगा, जिसमें वह भाजपा छोड़ कांग्रेस पार्टी का दामन थामेंगे। बताना जरूरी है कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया के साथ हजारों कार्यकर्ता कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल हुए थे। ऐसे में दिग्विजय सिंह और उनके बेटे की यह कोशिश है कि वह सभी कार्यकर्ता वापस कांग्रेस में शामिल होकर सिंधिया को चुनौती देने का काम करते दिखाई दें। यही वजह है कि वह पिछले लंबे समय से अपने बेटे जयवर्धन के साथ सिंधिया के गढ़ गुना शिवपुरी अशोक नगर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में सक्रिय बने हुए हैं

वहीं, शिवपुरी जिले की पोहरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाहा का कहना है कि यह तो बस शुरुआत मात्र है। अभी हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस की सदस्यता लेने जा रहे हैं। लगातार अपनी उपस्थिति बनाकर कार्यकर्ताओं के बीच बने रहने की कोशिश करते दिखाई दे रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और उनके बेटे जयवर्धन सिंह सिंधिया के गढ़ और उनके लोकसभा क्षेत्र में सक्रिय बने हुए हैं। यही वजह है कि अब वह भाजपा कार्यकर्ताओं को तोडने में भी सफल होते दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि राघोगढ़ में चलाए गए कांग्रेस सदस्यता अभियान के दौरान शिवपुरी जिले की बदरवास तहसील के अंतर्गत आने वाले 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भाजपा का साथ छोड़ने का ऐलान करते हुए कांग्रेस की सदस्यता ले ली।

बिहार में भी हो सकता है खेला नीतीश के शपथ पर सस्पेंस

कल आधी रात को जदयू नेता पहुंचे अमित शाह के पास

पटना (एजेंसी) ● बिहार में 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण होना है। पटना के गांधी मैदान में इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। इससे पहले सोमवार आधी रात जदयू के सीनियर लीडर ललन सिंह और संजय झा दिल्ली तलब किए गए। दोनों चार्टड प्लेन से दिल्ली गए हैं, जहां आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात होगी।

कैबिनेट के चेहरे को लेकर भी ललन और संजय की भाजपा के शीर्ष नेताओं से बात होनी है। रविवार को भी उनकी शाह और भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा से बात हुई थी। बिहार भाजपा के बड़े नेता मंगलवार को दिल्ली जाएंगे। सूत्रों की मानें तो सरकार में बराबर की भागीदारी को लेकर जदयू-बीजेपी में खींचतान है। भाजपा और जदयू दोनों ही विधानसभा अध्यक्ष पद चाहती हैं, जिसे लेकर बातचीत जारी है। जदयू चाहती है कि स्पीकर उनकी पार्टी और विधान परिषद के सभापति भाजपा से हों। जबकि बीजेपी दोनों पद अपने पास रखना चाहती है। सोमवार को मौजूदा सरकार की आखिरी कैबिनेट मीटिंग हुई, जिसमें विधानसभा को 19 नवंबर को भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ। इसके बाद नीतीश कुमार ने राज्यपाल से मुलाकात कर इस बात की जानकारी दी। फिलहाल विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा के पास है। जदयू का तर्क है कि विधान परिषद सभापति का पद भाजपा के पास है, इसलिए विधानसभा का अध्यक्ष हमें मिलना चाहिए। जबकि भाजपा की राय में सबसे बड़ा पद (मुख्यमंत्री) जदयू के पास है, तो विधानसभा अध्यक्ष पद पर उसका स्वाभाविक हक है।

न्यूज ब्रीफ

यात्रीगण कृपया ध्यान दे-इंदौर से चलने वाली तीन ट्रेनों का समय बदला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर से प्रतिदिन चलने वाली दो ट्रेन और एक साप्ताहिक ट्रेन का समय पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने बदला है। यह बदलाव इंदौर-देवास, उज्जैन रेलखंड में समय पालन में सुधार के लिए किया गया है। इंदौर से प्रतिदिन चलने वाली इंदौर-नैनपुर, पेंचवैली एक्सप्रेस,गाड़ी संख्या 19343 अब इंदौर से 13.15 बजे से रवाना होगी। ट्रेन की नई समय सारणी 22 नवम्बर से लागू होगी। इसके अलावा हमसफर एक्सप्रेस सप्ताह में एक बार इंदौर से पुरी के लिए चलती है। 25 नवंबर से यह ट्रेन इंदौर से 15.5 बजे चलेगी। देवास स्टेशन इसका स्टापेज 15.31 बजे रहेगा। दो मिनट ठहराव के बाद ट्रेन देवास स्टेशन से 15.33 बजे रवाना होगी। इंदौर-पुरी ट्रेन कई बार लेट होती है। इंदौर से पुरी तक यह ट्रेन 24 घंटे का समय लेती है। कई बार ट्रेन को गंतव्य तक पहुंचने के लिए 25 से 26 घंटे भी लगते है। इंदौर से हर दिन चलने वाली इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 22191 ट्रेन का समय भी बदला है। 22 नवंबर से यह ट्रेन इंदौर से 19.35 बजे रवाना होगी। देवास स्टेशन पर यह ट्रेन 20 बजे रुकेगी। तीन मिनट के ठहराव के बाद यह ट्रेन देवास स्टेशन से आगे बढ़ेंगे। रतलाल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि तीनों ट्रेनों के अन्य सभी ठहराव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

12 दिसंबर को नगर भ्रमण पर निकलेंगे बाबा रणजीत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बाबा रणजीत 12 दिसंबर को नगर भ्रमण पर निकलेंगे। सुबह 5 बजे मंदिर से प्रभातफेरी निकलेगी, जिसमें लाखों भक्त शामिल होते हैं। इस बार मंदिर प्रबंधन 2 झांकियां भी तैयार कर रहा है। इसमें एक मंदिर में चल रही गतिविधियों से संबंधित रहेगी, जबकि दूसरी रामायण की प्रसंग से संबंधित रहेगी। जो प्रभातफेरी में शामिल होंगी। आयोजन को लेकर मंदिर के पुजारी व प्रबंधन के लोग पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों से मिलेंगे। चार दिन के इस आयोजन को लेकर तैयारियों का दौर शुरू हो रहा है। मंदिर की परंपरानुसार इस साल भी प्रभातफेरी भव्य रूप में निकलेगी। बाबा रणजीत सुसज्जित रथ में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे। मंदिर के पुजारी पंडित दीपेश व्यास ने बताया कि चार के आयोजन की शुरुआत 9 दिसंबर से होगी। 9 दिसंबर को कलेक्टर ध्वजारोहण कर आयोजन की विधिवत रूप से शुरुआत करेंगे। 10 दिसंबर को मंदिर में दीपोत्सव और भजनसंध्या का आयोजन होगा।

कलेक्टर वर्मा ने ली शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक

लापरवाही बरतने वाले संस्थानों पर होगी सख्त कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों से जुड़े प्रमुख विषयों स्कॉलरशिप, परिवहन व्यवस्था, किताबें, शिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म, फीस एवं अग्नि सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं हो- कलेक्टर शिवम वर्मा

बैठक में कलेक्टर वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन, स्वास्थ्य, सुरक्षा या उनकी पढ़ाई से

खिलवाड़ करने वाले संस्थानों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर वर्मा ने शिक्षा सामग्री एवं फीस से जुड़े विषयों पर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि फीस वृद्धि नियमानुसार ही की जाए तथा अनावश्यक शुल्क वसूली से बचा जाए। बच्चों से किताबें, कॉपियां या अन्य सामग्री किसी एक दुकान से खरीदने के लिए दबाव नहीं बनाया जाए और किसी भी प्रकार की मोनोपॉली नहीं हो।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा पर जोर देते हुए कलेक्टर वर्मा ने कहा कि सभी वाहनों में आवश्यक सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षित स्टाफ और वाहन फिटनेस अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों। वाहन निर्धारित गति सीमा में चलें तथा सभी में अग्नि सुरक्षा के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी विद्यालयों में फायर ऑडिट अनिवार्य होगा। स्टाफ को अग्निशमन उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण दिया जाए। विद्यार्थियों और कर्मचारियों को आपदा के समय बचाव हेतु नियमित मॉक ड्रिल कराई जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्कॉलरशिप से जुड़े प्रकरणों के समय पर निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि फीस के कारण किसी भी विद्यार्थी को कक्षा, परीक्षा या टीसी देने से वंचित नहीं किया जाए। आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों के साथ सामान्य विद्यार्थियों की तरह ही व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों को आठवीं तक की नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करना अनिवार्य है। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी शिक्षण संस्थानों को शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, सुरक्षा और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सभी निर्धारित मानकों का कठोरता से पालन करने के निर्देश दिए।

शिक्षा के साथ-साथ संगीत साधना प्रभु उपासना के समान - पटेल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शिक्षा के साथ-साथ संगीत साधना जीवन को दिव्यता से जोड़ने वाली प्रभु उपासना के समान है। बच्चों की लगन और समर्पण देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो इन्दौर-मालवा क्षेत्र के सभी नन्हे कलाकार विभिन्न वाद्ययंत्रों के माध्यम से अपनी सुर-लहरी बिखेर रहे हों। यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने स्थानीय स्तर पर आयोजित संगीत कार्यक्रम में कही। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुति से प्रभावित होकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता रघु परमार ने कहा कि बच्चों की संगीत साधना देखकर अपना बचपन याद आ जाता है। 'जो हम नहीं कर पाए, उसे आज इन बच्चों को करते देख मन भावविभोर हो उठा,' उन्होंने कहा। विशेष अतिथि समाजसेवी मदन परमालिया ने कहा कि संगीत स्वयं में प्रभु साधना है। नन्हे कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न वाद्ययंत्रों की मनमोहक धुनों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी गीत-संगीत प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

जिले में अब तक 149 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को बनाया गया बहुउद्देशीय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में स्थित प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय बनाये जाने की प्रक्रिया जारी है। जिले में अब तक 149 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को बहुउद्देशीय बनाया जा चुका है। इन समितियों के माध्यम से विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस कार्ययोजना के माध्यम से उक्त समितियों द्वारा जन औषधि केन्द्र, कॉमन सर्विस सेन्टर, गैस एजेंसी, पेट्रोल पम्प संचालन, बिल/टैक्स कलेक्शन, वेयर हाउस संचालन, उपार्जन केन्द्र, कृषि उपज के विपणन, कृषि आदानों के क्रय सहित अन्य गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय बनाने के संबंध में आज यहां कलेक्टर शिवम वर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उपायुक्त सहकारिता मनोज जायसवाल, इंदौर प्रीमियम कोऑपरेटिव बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आलोक जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय बनाने के लिए जल्द ही कार्ययोजना तैयार की जाए। इसमें अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों का भी सहयोग लिया जाए।

बैठक में जिले की ऐसी पंचायत/गांव जहां बहुद्देशीय पैक्स या प्राथमिक दुग्ध उत्पादक एवं मत्स्य सहकारी समितियां कार्यरत नहीं है, वहां उनके गठन की समीक्षा गई। बताया गया कि जिले में 29 नई समितियों का पुनर्गठन किया गया है। इस प्रकार जिले में पंजीकृत पैक्स की संख्या 120 से बढ़कर 149 हो गई है। वहीं 29 पुर्नगठित प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के कम्प्यूटरीकरण के संबंध में नई समितियों के कम्प्यूटीकरण, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय को आवश्यक बजट आवंटन एवं कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया है। बताया गया कि जिले में 12 ग्रामों में नवीन दुग्ध उत्पादक समितियों का पंजीयन किया गया है। इस प्रकार जिले में कार्यरत दुग्ध उत्पादक समितियां जो पूर्व में 382 थी, 12 नई पंजीकृत होने से 394 हो गई है। इसी प्रकार 09 ग्रामों में नवीन मत्स्य समितियों का पंजीयन किया गया है। पूर्व में जिले में कार्यरत मत्स्य उत्पादक सहकारी समितियां 34 थी, 09 नई पंजीकृत होने से 43 हो गई है। बताया गया कि ऐसे विकासखण्ड जहां कृषक उत्पादन संगठन गठित नहीं किये गये है, वहां पर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के सहयोग से FPO गठित किए जाएंगे।

निगम वर्कशॉप का महापौर ने किया औचक निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को नगर पालिक निगम की वर्कशॉप का औचक निरीक्षण करते हुए वाहनों की स्थिति, मेंटेनेंस और नंबर प्लेट व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ला तथा वर्कशॉप प्रभारी मनीष पांडे भी मौजूद रहे।

महापौर ने पाया कि नगर निगम की कई गाड़ियां बिना नंबर प्लेट के सड़क पर संचालित हो रही हैं। इस पर गंभीर नाराज़गी व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि डंपर और ट्रैक्टर सहित सभी वाहनों पर 48 घंटे में नंबर प्लेट लगाई जाए तथा शेष गाड़ियों पर अधिकतम सात दिन में नंबर प्लेट लगकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

48 घंटे में सभी डंपर-ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट लगाने के निर्देश

महापौर ने अधिकारियों से दो सप्ताह का वाहनों के खराब होने का पूरा रजिस्टर भी तलब किया। उन्होंने कहा कि गाड़ियों की खराब स्थिति और मेंटेनेंस में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। वर्कशॉप प्रभारी को निर्देश दिए गए कि सभी वाहन समय पर सर्विस हों और कचरा गाड़ियां लास्ट राउंड के बाद अनिवार्य रूप से धोई जाएं, ताकि शहर की सड़कों पर गंदी गाड़ियां न दिखें।

निरीक्षण के दौरान वर्कशॉप प्रभारी मनीष पांडे ने महापौर को जानकारी दी कि मृत पशुओं के लिए विशेष शव वाहन का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा वर्कशॉप परिसर में ही 27 किलोवाट क्षमता का स्वयं का ई-वी चार्जिंग स्टेशन तैयार किया गया है, जिससे सर्विस हेतु आने वाली इलेक्ट्रिक गाड़ियों को मौके पर ही चार्ज किया जा सकेगा।

महापौर ने निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं और वर्कशॉप की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाया जाए, जिससे नगर निगम के वाहन सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

इंदौर-नागपुर के बीच नई स्लीपर एसी बस सेवा शुरु, एक हजार रुपए होगा किराया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (एआइसीटीएसएल) इंदौर और नागपुर के यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सोमवार को नई बस सेवा शुरू की है। बस में यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस, पैनिक बटन, वाइफाइ सुविधा के साथ ही रात्रि भोजन पैकेट की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

इस मौके पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इंदौर से नागपुर, अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित, स्लीपर एसी बस का शुभारंभ एआइसीटीएसएल परिसर से किया। निगमायुक्त दिलीप कुमार यादव, एआइसीटीएसएल के सीइओ अर्थ जैन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लग्जरी बसों की क्षमता 36 सीटर-इस लग्जरी बसों की क्षमता 36 सीटर है। इंदौर से बस रात 9:15 बजे चलेगी, जो हरदा, बैतूल, मुलताई, पांडुरना, सावनेर और सुबह सात बजे नागपुर पहुंचेगी। इसी तरह नागपुर से रात 9:15 बजे चलेगी, जो हरदा, बैतूल, मुलताई, पांडुरना, सावनेर और सुबह सात बजे इंदौर पहुंचेगी।

आज जनसुनवाई में होगी जेलर के खिलाफ शिकायत

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर सब जेल में वर्षों से जमे जेलर के खिलाफ आज जनसुनवाई में शिकायत होगी। जेलर के खिलाफ पहले भी कई बार शिकायतें हो चुकी है, लेकिन जेलर कुशवाह अपने दबाव प्रभाव से किसी न किसी प्रकार से शिकायतें बंद करवा देते। सूत्रों के अनुसार जेलर की कार्यशैली का पूरे विकासखंड में इतना आतंक है कि वे खुले तौर पर कैदियों के परिजनों से मुलाकात नहीं कराने देते हैं। ऐसा कहा जाता है कि वे इन परिजनों को बार-बार मुलाकात के लिए आने पर भी प्रताड़ना देते हैं और कैमरे से रिकार्डिंग निकलवाकर थाने में बंद कराने की भी धमकी देते हैं। 'दैनिक इंदौर संकेत' ने उनके खिलाफ लगातार प्रकाशित हो रही खबरों से बौखलाए जेलर आरएस कुशवाह अब साम-दाम-दंड-भेद

की नीति अपनाकर कुछ चाटुकार के माध्यम से अपने पक्ष में खबर प्रकाशित करवाकर उच्च अधिकारियों के समक्ष अपनी कमियों को दबाना चाहते हैं और इन खबरों के माध्यम से वे जताना चाहते हैं कि जेल की व्यवस्थाएं ठीक चल रही हैं। यहां कोई गड़बड़ी नहीं है। सूत्रों के अनुसार जेलर अपने बचाव के लिए कई तरह के हथकंडे अपना रहे हैं शिकायतकर्ताओं को झूठे आरोप में फसाने की धमकी दी जा रही है, जिसको लेकर आज जनसुनवाई में जेलर के खिलाफ दो शिकायत होगी।

मेट्रो ब्राण्ड्स ने इंदौर में खोला पहला मेट्रोएक्टिव स्टोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के अग्रणी फुटवियर रीटेलर मेट्रो ब्राण्ड्स लिमिटेड ने इंदौर में अपने पहले मेट्रोएक्टिव स्टोर के लॉन्च की घोषणा की है। शहर में ब्राण्ड की शुरूआत भारत को 'एक्टिव बनने एवं एक्टिव बने रहने' हेतु प्रेरित करने के लिए की गई है। मेट्रोएक्टिव एक रीटेल स्टोर से कहीं बढ़कर है, यह फिटनैस प्रशंसकों एवं फिटनैस की यात्रा शुरू करने वाले बिगीनर्स- दोनों के लिए शिक्ष, प्रोत्साहन एवं परफोर्मेन्स- केन्द्रित प्रोडक्ट्स लेकर आता है, जो उन्हें फिटनैस की दिशा में पहला कदम उठाने और आगे बढ़ते रहने में मदद करते हैं।

इंदौर। मदरहुड हॉस्पिटल ने प्रिमैच्योरटी और ननयोनैटल केयर पर अवेयरनेस वॉक का किया आयोजन

9 माह में एक किलोमीटर टूटा बीआरटीएस

दिन में टूट रहे बीआरटीएस के बस स्टॉप, रात को हटा रहे रैलिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर का साढ़े 11 किलोमीटर लंबा बीआरटीएस अभी तक एक किलोमीटर भी नहीं टूट पाया है। अब ठेकेदार एजेंसी ने दिन में बस स्टॉप तोड़ने और रात को बीआरटीएस की रैलिंग हटाने के लिए कहा है। ठेकादार को तोड़ने के बाद सामग्री के उपयोग का अधिकार रहेगा। इसके एवज में उसे ढाई करोड़ रुपये नगर निगम को देना होंगे। ज्यादा फायदा न होने के कारण ठेकेदार फर्म भी बेमन से काम कर रही है।

बीआरटीएस हटाने में हो रही देरी से हाईकोर्ट भी नाराज है। कोर्ट ने अफसरों से कहा कि भोपाल का बीआरटीएस 9 दिन में हट गया था, लेकिन इंदौर का बीआरटीएस 9 महीने बाद भी नहीं हट पाया।

कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी का मकान तोड़ना हो तो अफसर मिनटों में मशीन लेकर मौके पर चलते जाते है, लेकिन बीआरटीएस तोड़ने में इतनी देरी क्यों हो रही है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 26 नवंबर रखी है और कलेक्टर व निगामयुक्त को उपस्थित रहने के लिए कहा है।

पचास लाख में बने थे बस स्टॉप

बीआरटीएस के बस स्टॉप को तोड़ने का काम अब शुरू हुआ है। व्हाईट चर्च की तरफ के हिस्से के बस स्टॉप को तोड़ा जा रहा है। जब बीआरटीएस बना था तो बस स्टॉपों के निर्माण पर तगड़ा पैसा नगर निगम ने खर्च किया था। बस स्टॉप पर स्वचलित दरवाजे लगाए थे। महंगे सेंसर से बस आते ही दरवाजे खुल जाते थे। इसके अलावा कांच की दीवारें थी। इसके अलावा स्टॉप की सिलिंग भी विदेश से मंगाई गई लकड़ी से तैयार की गई थी। एक बस स्टॉप को तैयार करने में पचास लाख रुपये से ज्यादा की राशि लगी थी। पूरे कॉरिडोर पर पंद्रह से ज्यादा बस स्टॉप है। जिन्हें अब तोड़ा जा रहा है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

श्वेताम्बर मंदिर पर प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व निकला जैनाचार्यों का मंगल प्रवेश जुलूस

इंदौर • द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर पर पांच दिसम्बर को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए जाजम के चढ़ावे का आयोजन सोमवार को सुबह फूटी कोठी चौराहा स्थित पुखराज पैलेस पर प.पू. आचार्य श्रीमद विजय जिन सुंदर सूरीश्वर, आदि ठाणा एवं चातुर्मास के लिए विराजित प.पू. साध्वी कल्पद्रुमा श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में किया गया। आचार्य एवं साधु-साध्वी-भगवंतों का मंगल प्रवेश जुलूस भी बैंड-बाजों एवं वाद्य यंत्रों की सुर एवं स्वर लहरियों की मंगल ध्वनि के बीच निकाला गया। इस दौरान समूचा क्षेत्र शीतलनाथ भगवान एवं जैनाचार्यों के जयघोष से गुंजायमान बना रहा।

वैष्णव बाल मंदिर सहित विभिन्न स्कूलों के विजेता बच्चे होंगे पुरस्कृत

इंदौर • गुमास्ता नगर स्थित श्री वैष्णव कन्या विद्यालय पर 31वीं अंतरविद्यालयीन चित्रकला, संगीत एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन साहित्यकार एवं उच्च शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. पुरुषोत्तम दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें शहर के 18 विद्यालयों के 250 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को कैलाशचन्द्र आगार जनकल्याण फाउंडेशन की ओर से स्व. श्रीमती केसरबाई आगार और स्व. मोहनलाल आगार की स्मृति में विद्यालय के 34 वें वार्षिकोत्सव 'आरंगम' में बुधवार 19 नवम्बर को शाम 5 बजे पुरस्कृत किया जाएगा। अपनी 30 वर्ष पुरानी परंपरा के अनुरूप वैष्णव कन्या विद्यालय में आयोजित इन स्पर्धाओं का शुभारंभ संस्था के मंत्री अमित पसारी के स्वागत उद्बोधन से हुआ। स्कूल की प्राचार्य सुश्री ममता शुक्ला ने अतिथियों का परिचय दिया।

फूलमाली सैनी समाज सैकड़ों बंधुओं ने लिया जूठन नहीं छोड़ने का संकल्प

इंदौर •फूलमाली सैनी समाज छावनी का स्नेह मिलन, अन्नकूट, 56 भोग श्रृंगार एवं भजन संध्या का दिव्य आयोजन छावनी स्थित मोदी परिसर में सौल्लास सम्पन्न हुआ। समाज के अध्यक्ष रामगोपाल सैनी एवं मंत्री मनोहर सैनी ने बताया कि इस मौके पर विधायक गोलू शुक्ला एवं भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के आतिथ्य में भगवान श्रीनाथजी को 56 भोग समर्पित कर की गई महाआरती में वरिष्ठ समाजसेवी रामचंद्र सैनी, मोहनलाल सैनी, पुरुषोत्तम सैनी, मोहनलाल गढ़वाल, सीताराम सोलंकी, कुलदीप सांखला एवं राजेंद्र सैनी सहित सैकड़ों समाज बंधुओं ने शामिल होकर किसी भी भोज उत्सव में जूठन नहीं छोड़ने का संकल्प लिया। अतिथियों का स्वागत सत्यनारायण सैनी, मोहनलाल इकदईया, प्रकाश सैनी, पुनीत सैनी एवं राधेश्याम सैनी ने किया। संचालन मनोहर सैनी ने किया और आभार माना अध्यक्ष रामगोपाल सैनी ने।

इससे पूर्व मंडी समितियों के चुनाव 2012 में और सहकारी समितियों के 2013 में हुए थे

मंडी चुनाव 13 साल से सहकारिता के बारह साल से नहीं हुए चुनाव

मंडियों में खाद-बीज का भी संकट

भोपाल (एजेंसी) • इस समय रबी फसलों की स्थान पर कृषि बुवाई का सीजन चल रहा है। मंडी और प्रदेश के किसान खाद संकट से जूझ रहे हैं। खाद के लिए लंबी-सहकारिता की पूरी लंबी लाइनों में लगे किसानों को पुलिस के डंडे खाने पड़ रहे हैं। कृषि मंडियों में अनाज व्यापारियों की मनमानी से किसानों को औने-पौने दामों में अनाज बेचना पड़ रहा है, लेकिन स्थानीय स्तर पर किसानों की समस्याएं सुनने वाला कोई जनप्रतिनिधि नहीं है। इसकी मुख्य वजह प्रदेश के लाखों किसानों से सीधे तौर पर जुड़े कृषि उपज मंडी समितियों और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के चुनाव लंबे समय से टलते जाना है। मंडी समितियों के चुनाव 13 साल पहले और सहकारी समितियों के चुनाव 12 साल पहले हुए थे। इस दरमियान प्रदेश में तीन सरकारें बदल गईं, लेकिन मंडी व सहकारिता के चुनाव कराने में सरकार की कोई रुचि नहीं है। सरकार की इस उदासीनता का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। सरकार ने सहकारिता और मंडियों की पूरी व्यवस्था अफसरशाही के भरोसे छोड़ दी है, जो किसानों की जमीनी समस्याओं से न तो वाकिफ हैं और न ही उसमें रुचि दिखा रहे हैं। सहकारिता और मंडी के चुनाव नहीं होने से न सिर्फ प्रशासनिक असंतुलन पैदा हुआ है, बल्कि ग्रामीण राजनीति में रुचि रखने वाले किसानों के लिए भी राजनीति के रास्ते बंद हो गए हैं। पहले मंडी और सहकारी समितियों के माध्यम से किसान राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते थे। कई बड़े नेता इन्हीं मंचों से आगे बढ़े हैं, लेकिन अब यह अवसर भी समाप्त हो गया है। हालांकि मंडी और सहकारिता के चुनाव गैरदलीय आधार पर होते हैं, लेकिन इसमें भाजपा और कांग्रेस की गहरी रुचि रहती है। मंडी और सहकारिता के चुनाव कराने को लेकर हाईकोर्ट जबलपुर और ग्वालियर खंडपीड में याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं।

2019 में मंडीसमितियां भंग, प्रशासक संभाल रहे व्यवस्था

प्रदेश में इससे पूर्व वर्ष 2012 में मंडी उपज समितियों के चुनाव हुए थे। किसान मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 37 लाख है। नियमानुसार 2017 में मंडियों के चुनाव कराए जाने थे, लेकिन पहले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव का हवाला देते हुए चुनाव टाल 7 पैक्स का निर्वाचन कार्यक्रम घोषित पर चुनाव नहीं हो पाए प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के चुनाव आखिरी बार 2013 में हुए थे, जिनका कार्यकाल 2018 में कृषि मंडी चुनाव एवं सहकारिता समिति चुनाव समाप्त हुआ। नियमानुसार छह माह पहले चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन विधानसभा चुनाव और अन्य कारणों से यह लगातार टलता रहा। इस बीच वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर प्रशासकों की नियुक्ति की गई, लेकिन सहकारी अधिनियम के अनुसार यह व्यवस्था अधिकतम एक साल तक ही वैध थी। चुनाव न होने से असंतोष बढ़ा और हाईकोर्ट की जबलपुर व ग्वालियर खंडपीठ में कई याचिकाएं दायर हुईं। गत मार्च में महाधिवक्ता कार्यालय ने सुनवाई के दौरान सरकार को सुझाव दिया कि चुनाव जल्द कराना जरूरी है। इसके बाद राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी ने निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया, लेकिन चुनाव नहीं कराए गए। प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की संख्या साढ़े चार हजार से अधिक है। इनमें 50 लाख से ज्यादा किसान सदस्य हैं। सहकारी समितियों के चुनाव न होने से ग्रामीण अंचलों में सहकारिता का पूरा ढांचा चरमरा गया है। समितियों के भंग होने से किसानों को खाद, बीज और ऋण के लिए भटकना पड़ता है।

इन्वेस्टमेंट के सपने दिखाते, लिंक भेजकर करवाते थे विलिक 40 लाख की ठगी करने वाले अरेस्ट

इंदौर •प्रदेश के इंदौर में पुलिस ने एक ठगी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लोगों को झांसे में फंसाते थे और उन्हें ठगी का शिकार बनाते थे। आरोपियों ने लोगों के अपने जाल में फंसाकर करीब अब तक 40 लाख रुपए की ठगी की थी। आरोपियों ने बताया कि वो इन पैसों का अपने शौक पूरे करने में खर्च करते थे। इस आरोपियों पूछताछ कर रही है। इंदौर की विजयनगर पुलिस ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

एनएमओपीएस के राष्ट्रीय महासचिव का इंदौर में आत्मीय स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के राष्ट्रीय महासचिव स्थित प्रज्ञा के इंदौर आगमन पर पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के जिलाध्यक्ष दिनेश परमार व संभागीय अध्यक्ष जिम्मी सक्सेना की अगुवाई में आत्मीय स्वागत किया गया। परमार ने बताया कि एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु एवं प्रदेश अध्यक्ष परमानन्द डेहरिया के आह्वान पर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मुख्य मांग को लेकर आगामी 25 नवंबर को दिल्ली में होने जा रहें राष्ट्रीय आंदोलन को सफल बनाने हेतु राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा अलग -अलग प्रदेशों में सघन दौरे कर बैठक आयोजित की जा रही है। इसी परिपेक्ष्य में राष्ट्रीय महासचिव श्री स्थित प्रज्ञा के इंदौर आगमन पर जिलाध्यक्षदिनेश परमार, संभागीय अध्यक्ष जिम्मी सक्सेना, जिला महासचिव महेंद्र भारद्वाज व जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र पाठक आदि ने इंदौर एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी कर आत्मीय स्वागत किया।

संभाग के 2 जिलों को जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पानी ही हर बूंद अमृत है, जल है तो कल है। जल संरक्षण सम्बन्धित इसी सोच समझ और संदेश सहित जल स्रोतों की महत्ता समझा कर जनभागीदारी के सहयोग से जल संचय अभियान का कुशल नेतृत्व करने वाले खरगोन जिले और खण्डवा जिले की पंचायत को राष्ट्रीय पुरस्कार के सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। सम्भवत: यह पहली बार है कि जल सहेजने को लेकर इंदौर संभाग के 2 जिलो को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जा रहा है।जल को हम इसे जितना सहेज कर मतलब जितना बर्बाद होने से बचाएंगे उतना ही बाद कि पीढ़ियों के भविष्य उतना ही सुरक्षित रहेगा यही भावना और सन्देश को जनता तक पहुंचाते हुए जल सरंक्षण अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाने के मामले के खण्डवा की कावेश्वर पंचायत और खरगोन जिले को आज राष्ट्रीय जल पुरुस्कार राष्ट्रपति द्वारा खण्डवा कलेक्टर और खरगोन के जिला पंचायत सीईओ को दिया जायेगा। यह 6वे राष्ट्रीय जल पुरस्कार, नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित सम्मान समारोह में दिये जाएंगे। सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत की श्रेणी में खंडवा जिले की कावेश्वर पंचायत को द्वितीय पुरस्कार दिया जाएगा।

सेवा भारती दिशा प्रकल्प - इंदौर से चयनित डिप्टी कलेक्टर मोना डांगी का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सेवा भारती दिशा प्रकल्प-इंदौर द्वारा रूक्कक्स.ष्ट. 2023 में डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित मोना डांगी दीदी का भव्य सम्मान समारोह विवेकानंद परिसर, हरसिद्धि मंदिर के पास आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बालक-बालिकाएँ, मातृशक्ति एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य तथा संघ के इंदौर विभाग संघचालक मुकेश मोढ जी उपस्थित रहे। साथ ही इंदौर सेवा भारती विभाग समिति अध्यक्ष श्रीमती अनीता रघुवंशी जी भी उपस्थिति रही, मुख्य उद्गार विभाग संचालक मोढ ने अपने उद्बोधन में कहा— 'सेवक यदि सच्चे मन से सेवक बन जाए तो समाज में दिशा स्वत: निर्मित हो जाती है। दिशा प्रकल्प और सेवा भारती का यही मूल कार्य है कि सेवित से सेवक तैयार हों। मोना डांगी दीदी ने जो उपलब्धि हासिल की है, उसने केवल बालिकाओं ही नहीं बल्कि सभी विद्यार्थियों के मन में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया है।' मोना डांगी दीदी ने आत्मविश्वास भरा संदेश देते हुए कहा— 'दुनिया तो क्या, पूरा ब्रह्मांड आपकी सुनता है। सकारात्मक सोच, सरल हृदय और निरंतर प्रयास

आपके जीवन में सरस्वती का वास बनाए रखते हैं। कठिनाइयाँ उन्हीं को मिलती हैं जिनके कंधे उन्हें सहने योग्य होते हैं—इसलिए चुनौतियों से घबराएँ नहीं, उनका सामना करें।' अपर कलेक्टर वैश्य ने कहा कि— 'एस.डी.एम. या प्रशासनिक पदों पर तो अनेक युवा चयनित होते हैं, लेकिन जब सेवा भारती के संस्थानों में पली-बढ़ी कोई बालिका या बालक प्रशासनिक सेवा में जाता है, तब यह अनुभव होता है कि वह संस्कार, अनुशासन और चरित्र के साथ आगे बढ़ा है। यही संस्कार वह अपनी सेवाओं में भी लेकर जाएगा—यही सेवा भारती का बड़ा कार्य है।'

इंदौर की डबल चौकी में उत्पाती बंदर का हमला ऐसा काटा-नोंचा कि चेहरे पर 27 टांके आए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर से 35 किलोमीटर दूर डबल चौकी के गढ़ी गांव में एक उत्पाती बंदर ने कई किसानों पर हमला कर घायल कर दिया। एक व्यक्ति पर तो ऐसा हमला किया कि उसके चेहरे पर 27 टांके आए हैं। इसी बंदर को एक व्यक्ति ने लार-दुलार किया तो उसने उस पर भी हमला कर दिया जिसका वीडियो सामने आया है। मामले में रविवार को वन विभाग ने मशक्कत के बाद उसे रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया। किसान लीलाधर पटेल ने बताया कि गांव में एक बंदर ने हफ्तेभर से आतंक मचा रखा है। उसने तीन किसानों को काटकर. नोंचकर घायल कर दिया। इसी बंदर ने एक किसान सोहन दरबार पर ऐसा हमला किया कि वहां अस्पताल में इलाज के दौरान उसके चेहरे पर 27 टांके लगाना पड़े। एक बुजुर्ग किसान बाबू पटेल सहित एक मेहमान पर भी उसने हमला किया। घायल सोहन दरबार का अभी डबल चौकी के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

युवक को काटकर घायल करता बंदर

मामले में ग्रामीणों ने वन विभाग के डीएफओ को सूचना दी तो रविवार को रालामंडल से रेस्क्यू टीम गांव पहुंची और उसे ट्रेंक्यूलाइज से बेहोश कर पकड़ लिया।

इसके बाद होश आने पर उसे जंगल में छोड़ दिया।

10 माह में बंदरों ने 470 लोगों को बनाया शिकार

इंदौर के सरकारी हुकुमचंद अस्पताल में इस साल आठ माह में इंदौर और आसपास के गांवों में बंदरों द्वारा 470 लोगों पर हमला किया। वैसे वन विभाग बंदर के हमले में घायल के इलाज में खर्च की गई राशि का भुगतान करता है। यदि बंदर के हमले में घायल की मृत्यु हो जाती है तो मृतक के परिजन को मुआवजे के 8 लाख रु. देने जाने का प्रावधान है।

कार पुलिंग ऐप के जरिए ढूंढता था शिकार, फिर बनाता था लूट का प्लान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रदेश के इंदौर में कारपूलिंग के दौरान एक डॉक्टर को ज़हर देने का मामला सुलझ गया है। वडोदरा क्राइम ब्रांच ने इस मामले में फरार मुख्य आरोपी अमन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अमन के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसे विस्तृत पूछताछ के लिए इंदौर लाने की तैयारी कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉ. हरि सिंह रघुवंशी गुजरात में काम करते हैं और हर हफ्ते इंदौर से गुजरात आते-जाते हैं। एक दिन उन्होंने एक कारपूलिंग ऐप के ज़रिए यात्रा का अनुरोध स्वीकार किया और अमन नाम का एक युवक उनके साथ हो लिया। इस यात्रा के दौरान, आरोपी अमन ने डॉ. रघुवंशी को नशीला पदार्थ

पिला दिया, जिससे वे बेहोश हो गए। जब ??डॉक्टर को होश आया, तो उन्हें पता चला कि उनका लैपटॉप, मोबाइल फ़ोन और अन्य कीमती सामान चोरी हो गया है और अमन मौके से भाग गया है। इसके बाद, डॉ. रघुवंशी ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के बाद, लसूड़िया पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान अमन के रूप में हुई है और वह मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है। जाँच के दौरान, पुलिस को पता चला कि अमन ने कई राज्यों में चोरी, धोखाधड़ी और ज़हर घोलने जैसे अपराध किए हैं और उसका लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। इस बीच, वडोदरा क्राइम ब्रांच ने उसे एक अन्य मामले में स्थानीय स्तर पर गिरफ्तार कर लिया था। अमन की गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर, इंदौर पुलिस हरकत में आ गई है और जल्द ही उसे ट्रांजिट रिमांड पर इंदौर लाएगी ताकि घटना के सभी पहलुओं का खुलासा किया जा सके।

बुरहानी हार्डवेयर पर नाबालिगों से जबरन श्रम कराने के आरोप, पुलिस पर भी पक्षपात का सवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में बाल मजदूरी का गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ बुरहानी हार्डवेयर दुकान के संचालक पर कम मजदूरी पर नाबालिग बच्चों से लगातार लंबे समय तक काम कराने के आरोप लगे हैं। हवा बंगला, शांतिनाथ पूरी कॉलोनी के रहवासियों ने बताया कि वे इस अवैध गतिविधि की शिकायत कई बार स्थानीय थाने में कर चुके थे, लेकिन पुलिस ने कभी इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि दुकानदार 'अन्य समुदाय' से होने के कारण पुलिस इस ओर ध्यान देने से बचती रही। दो दिन पहले कॉलोनी के लोगों ने मामले की जानकारी बजरंग दल को दी। शिकायत में कहा गया कि दुकान संचालक बच्चों से रोज़ 8 घंटे से अधिक काम कराता है। इसके बाद बजरंग दल के जिला संयोजक विजय कलखोर मौके पर पहुँचे और दुकानदार को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुआ। स्थिति बिगड़ती देख संगठन ने तत्काल पुलिस को बुलाया। पुलिस बच्चों को थाने ले गई जहाँ द्वारकापुरी थाने के अधिकारी आलोक मिठास ने बाल श्रमिकों के परिजनों को बुलाकर बच्चों को उनके सुपुर्द कर दिया।

हंस ट्रेवल्स के बस चालक और क्लीनर की बड़वानी कोर्ट में जमानत खारिज हुई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुंबई से इंदौर आ रही युवती से चलती बस में यात्री ने की थी छेड़छाड़, मुख्य आरोपी अभी तक फरार, सेंधवा नाके पर युवती की मां ने पहुंचकर दो आरोपी पकड़वाए थे बस में तीन लोगों ने की थी युवती से छेड़छाड़, इंदौर की एक युवती मुंबई में एनिमेटर की जॉब करती है। 6 नवंबर की शाम वह गोरेगांव से हंस ट्रेवल्स की बस (क्र-11 ष्ठ-1919) से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। बस रात 11.30 कसारा फूड स्टॉप पर रुकी। यहां हंस ट्रेवल्स के ही एक अन्य ड्राइवर ने बस ड्राइवर से कहा कि एक सवारी को बैठा लेना, उन्हें भी इंदौर ही जाना है।

मुकेश को धानी गांव निवासी इसी ट्रेवल्स के एक अन्य ड्राइवर ने फोन पर किसी के बारे में कहा कि उन्हें भी बस में बैठा लेना, वे भी इंदौर ही जाएंगे। फिर ड्राइवर और क्लीनर के साथ इंदौर जाने के लिए एक युवक भी बस में सवार हुआ। ये तीनों नशे में थे।

बस कुछ आगे बढ़ी ही थी कि युवक ने अपर बर्थ पर लेटी इंदौर की युवती पर आपत्तिजनक बातें कही। ड्राइवर और क्लीनर ने भी युवक का साथ दिया और हंसने लगे। इस पर युवती घबरा गई। उसने अन्य यात्रियों से मदद मांगी। एक यात्री ने तीनों को मना किया तो उसे भी धमकाया। जब उनकी हरकतें नहीं रुकी तो युवती ने इंदौर में अपनी मां को फोन पर घटना की जानकारी दी। आरोपी युवक का नाम किशोर सिंह बताया गया है। बेटी का फोन आते ही मां ने बेटी से कहा कि तुम चिंता मत करो मैं कार से आ रही हूं, सेंधवा टोल नाके पर पहुंच रही हूं, वहां बस रुकवाना। मां परिवार के साथ साढ़े तीन घंटे कार दौड़ा कर सेंधवा टोल नाके पहुंची। इस बीच सेंधवा पुलिस को सूचना दे दी गई थी।

बंगाल से बेटे का फोन,मां ने मचा दी सनसनी, पुलिस भी दंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मल्हारगंज इलाके में एक महिला की संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल की रहने वाली 50 वर्षीय सुमित्रा दास ने कथित तौर पर जहर खाकर अपनी जान दे दी। वह करीब 20 दिन पहले अपनी बेटी आयशा और दामाद शफिकुल के घर आई थीं। पुलिस के अनुसार, घटना रात करीब 9।30 बजे की है। सुमित्रा अपने बेटे से मोबाइल पर बातचीत कर रही थीं। कॉल खत्म होने के बाद उन्होंने बेटी को बताया कि वह किराने की दुकान से कुछ सामान लेकर आ रही हैं। वह लगभग 15 मिनट बाद लौटीं। लौटते ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। रास्ते में सुमित्रा ने स्वीकार किया कि उन्होंने जहर खाया है। इलाज शुरू होने से पहले ही उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। परिवार ने पुलिस को बताया कि सुमित्रा 10 दिन बाद पश्चिम बंगाल लौटने वाली थीं। लेकिन उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो पा रहा था। इसी बात को लेकर वह कई दिनों से परेशान थीं। रविवार रात बेटे के साथ हुई बातचीत में भी कुछ जरूरी दस्तावेज़ों का जिक्र हुआ था।

सम्पादकीय

जघन्य अपराधों में बढ़ी नाबालिगों की संलिप्तता, गंभीर मामलों में कानून अस्पष्ट और लचर होने का ही परिणाम

गंभीर अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून अस्पष्ट और लचर होने का ही परिणाम है कि उनका दुस्साहस लगातार बढ़ता चला गया है। यह देखा गया है कि जघन्य अपराधों को अंजाम देने वाले कई नाबालिगों पर बाल सुधार गृह में भेजने का भी कोई असर नहीं होता। पिछले कुछ वर्षों के दौरान जघन्य अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूटपाट का विरोध करने पर एक आटो चालक की हत्या के आरोप में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी से देश में पलती-बढ़ती एक चिंताजनक प्रवृत्ति और उसकी दिशा को समझा जा सकता है। अभी किसी भी स्तर पर इस बात की चिंता नहीं दिखती है कि बेरोजगार युवाओं या विद्यालय न जाने वाले किशोरों के भविष्य को संवारने लिए क्या किया जाए। उनके बीच से जो किशोर आपराधिक प्रवृत्ति की ओर कदम बढ़ा दे रहे हैं, उन्हें लेकर हमारी नीति क्या हो। यहां तक कि हम बच्चों को नैतिक और सामाजिक मूल्यों से लैस नहीं कर रहे। दूसरी ओर, समाज में अनेक तरह की बनती विपरीत स्थितियां किशोरों को अपराध के गर्त में धकेल रही हैं। राजधानी में वह आटो चालक महज अपनी रोजी-रोटी कमाने निकला था। मगर कुछ शातिर लड़के योजनाबद्ध तरीके से उसे सुनसान जगह ले गए और उससे लूटपाट की कोशिश करने लगे। जब आटो चालक ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पकड़े जाने पर इन आरोपियों ने यह बात कबूली है कि वे नशे के आदी हैं और इसके लिए पैसे जुटाने के इरादे से उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। समझा जा सकता है कि अपराध के दलदल में धंसते कुछ किशोर किस तरह खतरनाक हो रहे हैं। दिल्ली में हुई यह ताजा घटना एक उदाहरण भर है। यह दुखद ही है कि पढ़ने-लिखने की उम्र में कई किशोर हथियार लेकर सड़कों पर चल रहे हैं और आए दिन लूटपाट से लेकर हत्या तक के जघन्य अपराध में लिप्त पाए जा रहे हैं। गंभीर अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून अस्पष्ट और लचर होने का ही परिणाम है कि उनका दुस्साहस लगातार बढ़ता चला गया है। यह देखा गया है कि जघन्य अपराधों को अंजाम देने वाले कई नाबालिगों पर बाल सुधार गृह में भेजने का भी कोई असर नहीं होता। खासतौर पर सुनियोजित तरीके से हत्या और बलात्कार जैसे अपराधों के नाबालिग आरोपियों के प्रति क्या नीति अपनाई जानी चाहिए, अब इस मसले पर सरकार और समाज को एक बार विचार करना होगा।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहारा, सुविधा और सुरक्षा की किरण एआई को कैसे अपनाया जाय ?

डिजिटल युग की रफ्तार इतनी तेज़ है कि उम्र और अनुभव दोनों ही पीछे छूटते महसूस होते हैं। मोबाइल, इंटरनेट और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इन तीनों ने साथ मिलकर जीवन को एक नए मोड़ पर पहुँचा दिया है। ऐसे समय में जरूरत है इस पहल की, कि हमारे बुजुर्ग इस बदलती दुनिया में खुद को न केवल सहज महसूस करें, बल्कि पूरी सुरक्षा और आत्मविश्वास के साथ तकनीक का लाभ भी उठा सकें।

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीवन को सरल बनाने वाला सहायक बन चुका है। यह डॉक्टर का रिमाइंडर भी देता है, घर का काम भी याद दिलाता है, फोन घुमाता है, गाने सुनाता है और अकेलेपन में साथी भी बन जाता है। लेकिन इस सुविधा के साथ सुरक्षा के खतरे भी जुड़े हैं अत: इस तकनीक को सावधानी के साथ अपनाने की जरूरत है।

अधिकतर वरिष्ठ नागरिकों के मन में तकनीक को लेकर संशय और झिझक होती है। कहीं गलत बटन न दब जाए..., कहीं फोन खराब न हो जाए..., कहीं कुछ गड़बड़ ना हो जाय.. आदि। यह बिल्कुल स्वाभाविक है। मगर सच यह है कि एआई का उपयोग उतना कठिन नहीं जितना लगता है। आपको तकनीक का उपयोग करना है, तकनीकी विशेषज्ञ नहीं बनना है।

तकनीक के इस डिजिटल जंगल के रास्तों से जान- पहचान बनाने के लिए, वॉयस असिस्टेंट, जैसे गूगल असिस्टेंट, सिरी, बिक्सबी या एलेक्सा से शुरुआत करना सबसे आसान तरीका है। सिर्फ मुंह से बोलकर आदेश देना है, इतने बजे काअलार्म लगाओ, आज का मौसम बताओ, पुराने फिल्मी गीत चलाओ...। और काम हो जाता है। रोज 10-15 मिनट का अभ्यास तकनीक को दोस्त बनाने के लिए काफी है।

उम्र ढलने के साथ नई तकनीक सीखना थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन नामुमकिन नहीं। इस काम में परिवार, पड़ोस और समुदाय बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। परिवार के युवा सदस्य अगर सप्ताह में केवल आधा घंटा भी वरिष्ठों को मोबाइल सेटिंग, ऐप इंस्टॉलेशन और सुरक्षा उपाय समझा दें, तो बुजुर्गों की डिजिटल यात्रा बहुत आसान हो जाती है। और यह केवल तकनीक सीखने का काम नहीं, बल्कि रिश्तों में गर्माहट बढ़ाने वाली परवाह का भी हिस्सा है।

यह समझना आवश्यक है कि एआई कितना भी स्मार्ट क्यों ना हो, वह जीता जागता मनुष्य नहीं है, हर हाल में उसे एक अजनबी सहायक की तरह ही मानना चाहिए। सुरक्षा के मद्देनजर उसे वह

जानकारी कभी न दें, जिसे आप किसी अजनबी को नहीं बता सकते। इनमें शामिल है, बैंक विवरण, एटीएम पिन, आधार नंबर, ओटीपी, पेंशन या बीमा की गोपनीय जानकारी, वसीयत, वित्तीय निवेश, परिवार के बारे में जानकारी आदि। एआई जानकारी दे सकता है, लेख लिख सकता है, रास्ता बता सकता है, मनोरंजन कर सकता है, मित्रवत व्यवहार दिखा सकता है लेकिन इन सबके बावजूद वो वित्तीय मामले सम्हालने या निजी पहचान संबंधी जानकारी रखने का माध्यम नहीं है।

एआई का एक नकारात्मक पक्ष यह भी है कि अपराधी इसका दुरुपयोग कर रहे हैं।आजकल कई घटनाओं में धोखेबाज़ परिवार के सदस्य की नकली आवाज़ बनाकर पैसे माँग लेते हैं।ऐसे में सावधानी और सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज पर तुरंत भरोसा न करें, पहले से मालूम नंबर पर फोन कर पैसे माँगने वाले कॉल की सच्चाई की पुष्टि करें, परिवार के सदस्य के असली नंबर पर कॉल करें, संदेह होने पर साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत संपर्क करें।छोटी-सी सतर्कता कई बड़े नुकसान से बचा सकती है।

आज वरिष्ठ नागरिकों के लिए नई तकनीक का उपयोग सीखने के कई सरल माध्यम उपलब्ध हैं।सामुदायिक केंद्रों में डिजिटल प्रशिक्षण, नगर निगम या पुस्तकालयों द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल क्लास, यूट्यूब पर आसान और विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध वीडियो ट्यूटोरियल, वरिष्ठ नागरिक समूहों की तकनीकी कार्यशालाएँ आदि।इनसे सीखना आसान भी है और आनंददायक भी।सीखने के बाद तकनीक डराती नहीं, बल्कि साथी जैसी लगने लगती है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एआई का उपयोग प्रारंभ करने और छलावे से सुरक्षित रहने के लिए आसान टिप्स

- **छोटे कदमों से शुरू करें:** ए आई के साथ दोस्ती बढ़ाने और आत्मविश्वास हासिल करने के लिए एक सरल लेकिन उच्च-प्रभाव वाले उपकरण, जैसे वॉयस असिस्टेंट, से शुरू करें।
- **मदद मांगने में झिझके नहीं :** एआई उपकरण का तकनीकी सेटअप और रोजमर्रा के परिचालन में सहायता के लिए किसी तकनीकी जानकार, परिवार के सदस्य, मित्र या स्थानीय वरिष्ठ सहायता केंद्र के कर्मचारियों से पूछने में संकोच न करें।
- **एआई को एक मददगार लेकिन अजनबी की तरह समझें:** प्रतिष्ठित एआई सॉफ्टवेयर का उपयोग करें लेकिन आधार/पेन नंबर, बैंक विवरण या पासवर्ड जैसी संवेदनशील जानकारी का खुलासा करने से बचें।
- **घोटालों से सावधान रहें:** एआई का उपयोग विश्वसनीय लगने वाले नकली ऑडियो या वीडियो (डीपफेक) बनाने के लिए किया जा सकता है। पैसे के लिए तत्काल, भावनात्मक अनुरोधों से सावधान रहें, भले ही आवाज परिचित लगे। वित्तीय या अन्य कोई भी मदद करने से पहले हमेशा व्यक्ति को उनके विश्वसनीय नंबर पर कॉल करके उनके अनुरोध की सत्यता की जांच करें।
- **सहायक संसाधनों का पता लगाएं:** सीनियर प्लैनेट, जैसे संगठनों से मुफ्त ऑनलाइन गाइड और पाठ्यक्रम देखें या स्थानीय सामुदायिक केंद्र और पुस्तकालय जो बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।
- **व्यावहारिक लाभों पर ध्यान दें:** अपने जीवन को आसान और आरामदायक बनाने के लिए एआई का उपयोग करना है, न कि तकनीकी विशेषज्ञ बनना। इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि तकनीक आपको आत्मनिर्भर बनाने और जीवन की गुणवत्ता में कैसे सुधार करती है।

जब भी कोई नया ऐप, डिवाइस या सुविधा सामने आए, पहले खुद से ये तीन सवाल पूछें। क्या यह मेरा काम सचमुच आसान करेगी? क्या यह समय या मेहनत बचाएगी? क्या इससे मेरे जीवन की गुणवत्ता बढ़ेगी?जवाब यदि हाँ है, तो ही ऐसी तकनीक को अपनाना चाहिए।

वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल दुनिया से सुरक्षित रूप से जोड़ना सिर्फ परिवार का काम नहीं। यह समाज, प्रशासन और नीति-निर्माताओं की संयुक्त जिम्मेदारी है।ऐसे में जरूरत है, सुरक्षित इंटरनेट वातावरण, सरल हिंदी में उपलब्ध सरकारी तकनीकी सेवाएँ, साइबर सुरक्षा जागरूकता, और वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण योजनाएँ। जब समाज सरोकार रखता है और परवाह दिखाता है, तभी तकनीक समावेशी बनती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसा मददहार हाथ है जो वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को आत्मनिर्भर, स्वतंत्र, सरल, सुरक्षित और अधिक सम्मानजनक बना सकता है, लेकिन यह तभी संभव है, जब इसे सावधानी और समझ के साथ अपनाया जाए।हम सब यही चाहते हैं कि डिजिटल युग में हमारे बुजुर्ग पीछे न रह जाएँ, वो तकनीक के साथ आत्मविश्वास से आगे बढ़ें। सहयोगी एआई, एकाकी जीवन जी रहे हमारे बुजुर्गों के लिए सहारा, सुविधा, और सुरक्षा तीनों है।

-राजकुमार जैन

आंचलिक

कृषि विज्ञान केंद्र कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी कलमबंद हड़ताल 'वन नेशन, वन केवीके' नीति लागू करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन • कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के कर्मचारियों ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की नीतियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन का समर्थन किया। सोमवार को कर्मचारियों ने कलमबंद हड़ताल की और केंद्र के बाहर बैठकर भेदभावपूर्ण नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। यह विरोध 'फोरम ऑफ केवीके एंड एआईसीआरपी' और 'केवीके इम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन' के आह्वान पर किया गया। कर्मचारियों ने परौदा समिति

की सिफारिशों के अनुरूप 'वन नेशन, वन केवीके' नीति को लागू करने और सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने की मांग की।

कर्मचारियों ने बताया कि 20 अगस्त 2024 के आईसीएआर आदेश को स्थगित किए जाने के बावजूद उनके पूर्ण भत्ते और पीएफ/एनपीएस अंशदान बहाल नहीं किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, पदोन्नति नीति केवल आईसीएआर कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है, जबकि गैर-आईसीएआर केवीके कर्मचारियों को इससे वंचित रखा गया है। उन्हें पेंशन, ग्रेच्युटी और समान सेवानिवृत्ति आयु जैसे लाभों से भी वंचित रखा गया है। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि कई राज्यों में केवीके कर्मचारियों का वेतन 6 से 9 महीने तक लंबित है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने 'वन नेशन, वन केवीके, वन पॉलिसी' की मांग दोहराई। उन्होंने परौदा समिति की सिफारिशों को तत्काल लागू करने, सभी केवीके में समान वेतन, पदोन्नति और सेवानिवृत्ति लाभ सुनिश्चित करने की अपील की।

3 बीएलओ निलंबित, मतदाता सूची सत्यापन में लापरवाही पर कलेक्टर की सख्त कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मतदाता सूची के सत्यापन कार्य में लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषव गुप्ता ने कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने 3 बीएलओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, वहीं 2 बीएलओ के 1-1 महीने का वेतन काटने के आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा कि गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निलंबित बीएलओ के मुख्यालय बदले

कलेक्टर ने बताया कि निलंबित बीएलओ में पिपरहट्टी के सहायक शिक्षक गजानंद शिकारी शामिल हैं, जिनका मुख्यालय पंधाना ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय रखा गया है। ओंकारेश्वर के बीएलओ कुलदीप दुबे का मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुनासा तथा ग्राम रोहिणी के प्राथमिक शिक्षक व बीएलओ संतोष चौहान का मुख्यालय एसडीएम कार्यालय पुनासा निर्धारित किया गया है।

दो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन रोका

पंधाना विधानसभा क्षेत्र के बिलूद गांव के दो मतदान केंद्रों के बीएलओ—आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा मालवीय और आशा राठौर—द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर 1-1 महीने का वेतन काटने का आदेश दिया गया है। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी स्तर की अनदेखी पर और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर झीरी से बुरहानपुर तक सड़क निर्माण शुरू, विधायक ने किया शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर झीरी से बुरहानपुर शहर तक डामरीकृत सड़क का निर्माण कार्य सोमवार को शुरू हो गया है। नेपानगर विधायक मंजू दादू ने झीरी में इस कार्य का शुभारंभ किया और मार्ग का निरीक्षण किया। यह सड़क पहले जर्जर स्थिति में थी, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती थी। विधायक मंजू दादू ने बताया कि इंदौर-इच्छापुर के नए फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के साथ ही अब झीरी से बुरहानपुर तक की सड़क का कार्य प्रारंभ हुआ है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बुरहानपुर से शाहपुर और शाहपुर से इच्छापुर तक के सड़क निर्माण का कार्य भी जल्द ही शुरू होगा। विधायक दादू ने इस सड़क निर्माण की सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, और खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित एजेंसी के अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का सूक्ष्मता से सतत निरीक्षण करने का निर्देश दिया, साथ ही किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी।

जर्जर मार्ग से मिलेगी राहत

विधायक मंजू दादू ने कहा कि यह मार्ग पहले जर्जर स्थिति में था, जिससे आवागमन में कठिनाइयां होती थीं। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी और यात्रा सुगम होगी। उन्होंने जल्द ही इस निर्माण कार्य के पूर्ण होने की उम्मीद जताई।

डीईओ संतोष सोलंकी निलंबित, संभागायुक्त ने सरकारी काम में लापरवाही पर की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • बुरहानपुर में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) संतोष सिंह सोलंकी को निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना के चलते की गई है। सोलंकी का निलंबन कलेक्टर द्वारा भेजे गए प्रतिवेदन और सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर कार्रवाई न करने के आधार पर किया गया है। उन पर कई मामलों में जिम्मेदारियों का सही ढंग से पालन न करने का आरोप है।

नोटिसों का जवाब तक नहीं दिया

डीईओ सोलंकी को सीएम हेल्पलाइन शिकायतों, जन आकांक्षा के प्रकरणों और धरबी आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में निष्क्रिय रहने जैसे मामलों में बार-बार कारण बताओ नोटिस दिए गए थे। लेकिन उन्होंने न तो इनका जवाब दिया और न ही कार्यप्रणाली में सुधार किया। पूर्व कलेक्टर ने भी उन्हें चेतावनी जारी की थी। निलंबन के दौरान संतोष सिंह सोलंकी का मुख्यालय बुरहानपुर रहेगा। उन्हें नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा।

बिहार में जनता खरीदी गई, बैलेट पेपर से वोट हों तो रिजल्ट बदल जाएगा- वाड्रा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा •सांसद प्रियंका गांधी के पति और बिजनेसमैन राबर्ट वाड्रा सोमवार को ओंकारेश्वर पहुंचे। बिहार चुनाव और पीएम नरेंद्र मोदी की भविष्यवाणी पर भास्कर के कैमरे पर उन्होंने कहा कि बिहार के चुनावी रिजल्ट से लोग खुश नहीं हैं। लोगों को 10 हजार रुपए देकर खरीदा गया है। ऐसी चीजें रोकी जानी चाहिए थी, उसको इसे बंद कराना चाहिए थी। देश और बिहार की जनता इस रिजल्ट से खुश नहीं है। वाड्रा ने कहा अगर कभी भी इलेक्शन दोबारा हों, बैलेट पेपर से चुनाव होंगे तो मुझे लगता है कि रिजल्ट बदलेगा। एकतरफा महागठबंधन की सरकार बनेगी। मेरा अनुभव है हम उनकी मांगें बुलंद करें। लोगों की मांग पर राहुल आज बिहार पहुंचे हैं। वह लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं

सुनेंगे। राबर्ट वाड्रा ने कहा कि, महागठबंधन भी पूरी तरह एकजुट हैं। ये लोग हार से भी सीख लेते हैं। जो गलत हो रहा है, उसके लिए लड़ रहे हैं। राहुल को देख ही रहे हैं कि, वे लोगों के बीच जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने एनडीए की मदद की हैं। जब चुनाव से पहले बिहार की महिलाओं को 10-10 हजार रुपए बांटे गए, तब चुनाव आयोग को रोकना चाहिए था। चुनाव आयोग पूरी तरह भाजपा और एनडीए के साथ मिलकर काम कर रहा हैं। राहुल इसी बात की लड़ाई लड़ रहे हैं, वो युवाओं के बीच जाकर अपनी बात रख रहे हैं।

खंडवा-डुल्हार रोड का कॉन्ट्रैक्ट हुआ, 37.28 करोड़ से बनेगी 17.60 लंबी सड़क

खंडवा • खंडवा से डुल्हार तक नवीन सड़क मार्ग का अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) हो गया है। 37.28 करोड़ रुपए की अनुबंधित राशि से इस 17.60 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस काम को 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अनुबंध की प्रक्रिया पूरी हो गई है और निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा। निर्मित होने वाले इस टू लेन मार्ग के दोनों तरफ 1.50 मीटर पेवड शोल्डर्स बनाए जाएंगे। इसके साथ ही एक मीटर हार्ड शोल्डर्स का निर्माण कार्य भी कराया जाएगा। यह सड़क मार्ग क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत प्रदान करेगा और इससे आवागमन में आसानी होगी। इस सड़क मार्ग के निर्माण से खंडवा और आसपास के क्षेत्रों के विकास में भी मदद मिलेगी।

एसआईआर की दो सूचियां जारी होंगी, कांग्रेस प्रशिक्षण में प्रभारी ने बिहार से अंतर बताया

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर •कांग्रेस की प्रदेश सह प्रभारी आरिफा खान ने बताया कि राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 8 दिसंबर को दो सूचियां जारी की जाएंगी। उन्होंने यह बात बुरहानपुर के नेपानगर में आयोजित बीएलओ-2 प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। खान ने स्पष्ट किया कि बिहार में केवल वैध मतदाताओं की सूची जारी की गई थी, जबकि मध्य प्रदेश में एक वैध सूची के साथ उन मतदाताओं की सूची भी जारी होगी जिन्हें अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। दस्तावेज प्रस्तुत करने का कार्य 9 दिसंबर के बाद शुरू होगा, और ऐसे नाम दावे-आपत्ति प्रक्रिया में शामिल होंगे। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा हर जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए बीएलए-2 और कांग्रेस पदाधिकारियों के प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को मतदाता सूची के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में गुरप्रीत की चांदी भारत तीन स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर

काहिरा (एजेंसी) • भारतीय निशानेबाज गुरप्रीत सिंह पुरुषों के 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल इवेंट में वर्ल्ड चैंपियन बनने के बेहद करीबी अंतर से चूक गए। उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा। इजिप्त के काहिरा में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव ने गोल्ड जीता। गुरप्रीत को इनर 10 (10 अंक का अंदरुनी हिस्सा) के आधार पर हारने के बाद सिल्वर से संतोष करना पड़ा। गुरप्रीत ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा

इंडिविजुअल मेडल जीता है। उन्हें 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर मिला था। भारत तीन गोल्ड, छह सिल्वर और चार ब्रॉन्ज सहित कुल 13 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चीन पहले स्थान पर रहा। चीनी शूटर्स ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य सहित कुल 21 पदक जीते। साउथ कोरिया ने सात स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक से दूसरा स्थान हासिल किया।

ऑल इंडिया हैंडबॉल प्रतियोगिता हेतु म प्र टीम घोषित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन एंव हैंडबाल एसोसिएशन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित 9वी अखिल भारतीय स्वर्गीय एल एन पांडेय स्मृति हैंडबॉल प्रतियोगिता दिनांक 18 से 20 नंवबर तक वाराणसी ,पब्लिक स्कूल वाराणसी मे खेली जावेगी। मध्यप्रदेश हैंडबॉल टीम की घोषणा अध्यक्ष दीपक जैन टीनू व महासचिव हरदीप सिंह रुप्पल ने की।

1)हरीश गिल (कप्तान) 2)विभु पटेल (उपकप्तान)3)देवराज मंडलोई 4)निखिल रघुवंशी 5) मोहित मौर्य 6)आशीष जाटव7)उदयराज सिंग डोडिया 8) अभिमन्यु सिंह 9) अभिषेक भदौरिया 10) हिमांशु धुर्वे 11) तनिश मुकाती 12) अनुराग13)शिवम यादव14)अंकित कुमार (15)शुभम राठौर(16)पियूष, गौरव कर्मा (कोच), राजू शर्मा (मैनेजर)।

अपनी धरती पर हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता : पुजारा

कोलकाता (एजेंसी) • भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में भारतीय टीम को मिली हार से बेहद निराश हैं। इस मैच में कमेंट्री करने वाले पुजारा ने कहा कि अगर इतने अच्छे बल्लेबाज होने के कारण भी टीम अपनी ही धरती पर हारे तो कहीं न कहीं कमी है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में 124 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी जिसके लिए उसकी काफी आलोचना हुइ है। पुजारा ने कहा है कि ये हार पचने वाली नहीं है और यह अस्वीकार्य है। हालांकि वह मानते हैं कि आर अश्विन, विराट कोहली, रोहित शर्मा के जाने के बाद से ही टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। पुजारा ने कहा कि भारत में कई अच्छे खिलाड़ी हैं जिससे बदलाव के कारण हारने की बात जम नहीं रही। पुजारा ने कहा, 'मैं इससे सहमत नहीं हूं। बदलाव की वजह से भारतीय टीम का भारत में हारने जैसी बात को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।'

उन्होंने साथ ही कहा, भारत इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में हार के कारणों को समझा जा सकता है पर भारत में जो प्रतिभा और क्षमता है उसको देखते हुए अपनी धरती पर हार को सहन नहीं किया जा सकता। टीम के पास यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी हैं। इसके बाद भी अगर हम भारत में हारते हैं तो इसका मतलब है कि कहीं कुछ कमी है। हालांकि, पुजारा ने कहा कि भारत की टर्निंग पिच पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भी उन्हें कोलकाता में मैच में हार मिली। पुजारा ने कहा, अगर मैच अच्छे विकेट पर खेला जाता, तो भारतीय टीम के जीतने की संभावना ज्यादा होती। पिछले साल न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को 3-0 से भारत में ही हराया था।

फिल्म 'हक' में यामी गौतम की दमदार परफॉर्मेंस

मुंबई (एजेंसी) • किसी फिल्म को अपने कंधों पर उठाना आसान काम नहीं है, और यामी गौतम धर इसे लगातार साबित करती रही हैं। उन्होंने एक बार फिर 'हक' में अपना कमाल दिखाया। सालों के दौरान कहा जा सकता है कि यामी गौतम धर बॉलीवुड की सबसे असरदार एक्टर्स में से एक साबित हुई हैं। लेकिन उनके सफर में एक बात साफ झलकती है, वह कम बोलती हैं लेकिन उनके काम बोलते हैं, जोरदार तरीके से, और वह ज्यादा नजर नहीं आतीं या ज्यादा बाहर नहीं जातीं, जिससे उनका हुनर खुद ब खुद नजर आता है। 'हक' में यामी एक बार फिर ऐसी परफॉर्मेंस की है, जो न सिर्फ पसंद आने वाला है बल्कि सच में पूरे देश में सराहना के लायक भी है। उनकी मेहनत और शांत तरीके ने दर्शकों को उनकी प्रतिभा की तारीफ करने पर मजबूर कर दिया है। हर नए किरदार के साथ वह अपनी काबिलियत दिखाती हैं और उन्हें मिलने वाले सभी पुरस्कार और सम्मान बिलकुल सही हैं।

धर्मेंद्र की दी सीख ने बदला उर्वशी का जीवन के प्रति नजरिया

मुंबई (एजेंसी) • उर्वशी रौतेला अपनी चमकती हुई पहचान के पीछे अभिनेता धर्मेन्द्र एक ऐसी सीख छुपाकर रखती हैं, जिसने उनके करियर की दिशा ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रति उनके पूरे नजरिए को बदल दिया। यह घटना उनके बॉलीवुड सफर की शुरुआत में हुई, जब वह अपनी पहली फिल्म सिंह साब द ग्रेट की शूटिंग कर रही थीं। उस दौरान 'दारू बंद कल से' जैसे मशहूर गाने की शूटिंग हो रही थी, जिसमें सेट पर सनी देओल, बॉबी देओल और धर्मेंद्र जैसे बड़े सितारे मौजूद थे। रोशनी, रिहर्सल और हलचल के बीच अचानक एक ऐसा पल आया जिसने उर्वशी की जिंदगी में गहरी छाप छोड़ दी। उर्वशी बताती हैं कि धर्मेंद्र ने अपनी पहचान वाली सादगी और गर्मजोशी के साथ उन्हें पास बुलाया और बेहद शांत लहजे में वह बात कही, जिसे वह आज भी अपनी सबसे बड़ी सीख मानती हैं।

उज्जैन संभाग

फैक्ट्रियों का गंदा पानी साफ देखकर हैरान हुए अतिरिक्त सचिव

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव भरत खेड़ा सोमवार को विक्रम उद्योगपुरी पहुंचे और यहां खेड़ा ने पेप्सिको, इस्कॉन बालाजी यूनिट का भी दौरा किया। फैक्ट्री प्रतिनिधियों ने बताया कि कच्चे माल से लेकर तैयार माल तक, क्वालिटी चेक और सुरक्षा उपायों का पूरा ध्यान रखा जाता है। इस दौरान अधिकारियों का दल ष्टश्वञ्जक्क में पानी की सफाई प्रक्रिया को लेकर हैरान हुए उन्होंने देखा कि किस तरह उद्योगों से निकलने वाला गंदा पानी, प्रोसेस के बाद क्रिस्टल क्लियर साफ हो जाता है। एमपीआईडीसी अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन देते हुए बताया कि विक्रम उद्योगपुरी को विश्वस्तरीय इंडस्ट्रियल एरिया के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां बहुराष्ट्रीय कंपनियों, खाद्य प्रसंस्करण, बायोटेक, मेडिकल इक्विपमेंट और पर्यावरण आधारित उद्योगों के लिए अलग-अलग ज़ोन तैयार किए गए हैं। प्रेजेंटेशन में

सड़क, बिजली, पानी, सीवरेज, ष्टश्वञ्जक्क ग्रीन बेल्ट, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी, निवेशक नीतियों और रोजगार सृजन क्षमता जैसे विषयों पर जानकारी दी गई।

देश के लिए एक शानदार और मॉडल प्रोजेक्ट

यूनिट देखने के बाद भरत खेड़ा सीईटीपी प्लांट पहुंचे। उन्होंने पूछा कि सीईटीपी (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) कितनी क्षमता का है और इससे कितनी फैक्ट्रियां फायदा ले पाएंगी। सीईटीपी के अधिकारियों ने उन्हें बताया गया कि वीयूएल की सभी फैक्ट्रियों का गंदा पानी टैंकर के जरिए प्लांट तक आता है।

कई स्टेप्स में, जैसे प्राथमिक सफाई, जैविक और रासायनिक प्रक्रिया, फिल्टरेशन, फाइनल ट्रीटमेंट के बाद पानी इतना साफ हो जाता है कि टेस्ट कंडीशन में पीने योग्य भी माना जा सकता है। यह सुनकर खेड़ा आश्चर्यचकित रह गए और बोले कि ऐसा प्लांट हर इंडस्ट्रियल एरिया में होना चाहिए। यह देश के लिए एक शानदार और मॉडल प्रोजेक्ट है।

'2047 तक हमारे पास होंगे 80 करोड़ युवा मस्तिष्क' -डॉ. मिश्रा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने कहा कि भारत के विकसित बनने की नींव रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता, क्वांटम तकनीक, मजबूत विनिर्माण और सौ नए औद्योगिक नगरों के निर्माण में है। उन्होंने सुरक्षा को विकास की अनिवार्य शर्त बताया। डॉ. मोहन गुप्त ने तकनीक के साथ नैतिक शिक्षा और प्रशासनिक क्षमता को समान रूप से आवश्यक बताया। 2047 तक हमारे पास 80 करोड़ युवा मस्तिष्क होंगे। यह कोई साधारण संख्या नहीं यह दुनिया की सबसे बड़ी बौद्धिक सेना है। पर केवल संख्या नहीं, दिशा भी चाहिए। आज हमारी प्रति व्यक्ति आय का स्थान 142वां है और यह वह सच्चाई है जिसे समझे बिना विकास का दावा अधूरा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा आज कई मोर्चों पर चुनौती बन चुकी है। तेल गैस जैसी जीवनरेखा जिन देशों पर निर्भर है, वे हमारे स्थायी मित्र नहीं। पड़ोसी देशों की अस्थिरता अलग खतरा है। हमारे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, पर 140 करोड़ बुद्धिमान भारतीय यही हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं और इसी शक्ति को सुरक्षित रखने के लिए रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है। जिस राष्ट्र की सुरक्षा क्षमता उसके अपने हाथों में होती है, वही राष्ट्र आत्मविश्वास के साथ विश्व के बीच खड़ा होता है। यही विकसित भारत की नींव है। ये बात भारत के रक्षा वैज्ञानिक, पूर्व महानिदेशक ब्रह्मोस, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय भारत, डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने कही। वे भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा आयोजित कर्मयोगी स्व. कृष्ण मंगल सिंह कुलश्रेष्ठ की प्रेरणा से और पद्मभूषण डॉ शिवमंगल सिंह सुमन की स्मृति में रखी गई 23वीं अखिल भारतीय सद्भावना व्याख्यानमाला के शुभारंभ प्रसंग पर बोल रहे थे।

खेत पर सो रहे किसान पर जंगली सियार का हमला:पड़ोसियों ने शोर सुनकर बचाया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन जिले के माकड़ौन थाना क्षेत्र के गांव बगवाड़ा में रविवार देर रात एक किसान पर जंगली सियार ने हमला कर दिया। किसान खेत की रखवाली के लिए सो रहा था, तभी सियार ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले में किसान के हाथ और मुंह पर गंभीर चोटें आई हैं। किसान के चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और उसे सियार से बचाया। घायल किसान को तुरंत माकड़ौन अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे उज्जैन के चरक अस्पताल रेफर कर दिया गया।

किसान का हॉस्पिटल में अभी इलाज चल रहा है

घटना के समय किसान बालू सिंह अपने खेत में गेहूं की फसल की सिंचाई करने के बाद आराम कर रहे थे। तभी अचानक जंगली सियार ने उन पर हमला कर दिया। बालू सिंह के भतीजे राकेश प्रजापत ने बताया कि यह घटना रात करीब 3 बजे हुई।

सियार के हमले से बालू सिंह के मुंह और हाथ पर गहरी चोटें आईं। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें सियार से छुड़ाया। वर्तमान में बालू सिंह का उपचार चरक अस्पताल में जारी है।

ग्रीन फील्ड रोड के विरोध में निकली न्याय यात्रा, 7 गांवों के किसानों ने किया जमीन अधिग्रहण का विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन-इंदौर के बीच बनने वाले ग्रीन फील्ड रोड को लेकर अब किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को किसानों ने किसान न्याय यात्रा निकालकर जमीन अधिग्रहण का विरोध किया। पितृ पर्वत इंदौर से सिंहस्थ बायपास, उज्जैन तक बनने वाले 48 किमी के पहले ग्रीन फील्ड रोड के विरोध में जिले के प्रभावित गांवों में किसान न्याय यात्रा निकाली। ध्वज थामे किसानों की यात्रा गांव लिंबा पिपलिया के माता मंदिर से सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई। यात्रा गोंदिया, अवंतिका विश्वविद्यालय चौराहा होकर हासामपुरा, पालखेड़ी नया मार्ग होकर पालखेड़ी चांदमुख, दाऊदखेड़ी न्यू आरटीओ होकर चिंतामन गणेश पर पहुंची। यहां किसानों ने ध्वज अर्पित कर यात्रा का समापन किया।

5 घंटे चली पैदल यात्रा, दो सूत्री मांगें बताईं

ग्रीन फील्ड रोड से गांव की कनेक्टिविटी हो। अधिग्रहण की जाने वाली ज़मीन का मुआवजा गाइड लाइन के बजाय बाजार मूल्य के आधार पर दिया जाए।

7 गांवों के किसानों ने कई बार दिया ज्ञापन

भारतीय किसान संघ के जिला कोषाध्यक्ष राजेश सिंह सोलंकी ने बताया कि किसान न्याय यात्रा का हर गांव में बड़ी संख्या में महिला और पुरुषों ने स्वागत किया। अधिग्रहण की जा रही ग्रीन फील्ड के प्रभावित इन सात गांवों के किसानों ने अभी तक लगभग 6 से 7 बार ज्ञापन दिए। इस किसान न्याय यात्रा की तैयारी के बीच में ही प्रशासन की तरफ से भी पहल शुरू की गई है। एक कमेटी गठित की है, जिसमें जिला रजिस्ट्रार, एमपीआरडीसी के अधिकारी एवं स्वयं एसडीएम हैं, जो किसानों की इन मांगों पर कोई रास्ता निकालेंगे। इंदौर से उज्जैन शहर के बीच 2 हजार 335 करोड़ की लागत से 48 किलोमीटर की एक नई ग्रीन फील्ड रोड बनने जा रही है। इसे पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाया जाएगा। ग्रीन फील्ड रोड के साथ सर्विस रोड भी बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके चलते इसकी लागत भी बढ़ गई है। इस ग्रीन फील्ड रोड में अंडर पास, पुल, जंक्शन और फ्लाई ओवर भी बनाए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त दो आरोपियों को किया गया जिलाबदर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त दो आरोपियों को जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार जिन आरोपियों को जिलाबदर किया गया है उनमें सांवेर थाना क्षेत्र के ग्राम बाबल्याखेड़ी निवासी संजू उर्फ संजय पिता लीलाधर पवार तथा महू थाना क्षेत्र स्थित संजय गांधी कॉलोनी निवासी लक्की उर्फ कल्ली पिता लेखराज शामिल है। इन्हें छः-छः माह के लिये जिलाबदर किया गया है। उक्त सभी अपराधियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में अनेक प्रकरण दर्ज है। उक्त दोनों आरोपी इंदौर जिले सहित इससे लगे हुए सीमावर्ती जिलों उज्जैन, देवास, धार, खरगोन एवं खंडवा जिले की राजस्व सीमाओं से निष्कासित किये गये है।

समाधान योजना विद्युत उपभोक्ताओं के लिए नींव का पत्थर साबित - मंत्री सिलावट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा घरेलू / कृषि/ गैर-घरेलू श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं के लिए उनके बिजली बिलों की बकाया राशि में 100 प्रतिशत सरचार्ज माफी हेतु समाधान योजना लागू की गई है। इस योजना का प्रथम चरण 3 नवम्बर से 31 दिसंबर तक चलेगा। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त समाधान योजना से इंदौर जिले के ग्रामीण वृत्त के लगभग एक लाख 57 हजार 625 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, जिनके द्वारा उन पर बकाया लंबित राशि लगभग 120 करोड़ रुपये का भुगतान करने पर उन पर अधिरोपित सरचार्ज की राशि लगभग 15 करोड़ रुपये माफ करना प्रस्तावित है।

तीर्थ गोपीकॉन के 184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी में हैरी पॉटर, गो डैडी और जोहो, सीबीआई रिपोर्ट में खुलासा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● तीर्थ गोपीकॉन कंपनी के प्रमुख महेश कुम्भानी जेल में हैं। मामला मप्र जल निगम के जल जीवन मिशन के 970 करोड़ के ठेके से जुड़ा है। वहीं ठेके के लिए 184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी दी गई थी। सीबीआई ने इस मामले में गौरव धाकड़, राहुल गुप्ता, फिरोज खान, गोविंद हांसदा व अन्य को भी आरोपी बनाया है। अब सीबीआई की एक रिपोर्ट में हैरी पॉटर का नाम सामने आया है। यह नाम जेके रोलिंग के नावेल पर आधारित फिल्म से जुड़ा है।

इस पूरे कांड में पश्चिम बंगाल में पीएनबी की बागुईहाटी शाखा अहम है। यहां से फर्जी बैंक गारंटी के सत्यापन का खेल हुआ है। इसके लिए आरोपी फिरोज खान ने बैंक के मिलते जुलते नाम वाले डोमेन बनवाए। इससे मप्र शासन जल निगम को यहां से फर्जी बैंक गारंटी के सही होने के ईमेल भेजे जा सकें। इस

डोमेन को बनाने के लिए गो डैडी और जोहो के प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया था। वहीं, इन प्लेटफॉर्म पर डोमेन बनाने के लिए ईमेल आईडी मांगी गई। ऐसे में फिरोज खान ने इसके लिए फर्जी ईमेल आईडी बनाई थी।

इस तरह जोहो और गो डैडी के प्लेटफॉर्म पर जाकर हैरी पॉटर के नाम का उपयोग किया गया। बैंक की फर्जी डोमेन वाली ईमेल आईडी बनाई गई। साथ ही, यहां से करोड़ों की बैंक गारंटी को सही बता दिया गया।

ऐसे किया गया बैंक गारंटी का सत्यापन-धाकड़ ने दो बैंक गारंटी सत्यापित करने की जिम्मेदारी ली थी। बाकी गारंटी का सत्यापन तीर्थ गोपीकॉन ने किया था। इसके लिए उसने सीधे गुप्ता से संपर्क किया था। इस दौरान धाकड़ भोपाल की सेंट्रल जेल में बंद था।

184 करोड़ के खेल में किसकी क्या भूमिका

- महेश कुम्भानी को सीबीआई ने इस मामले में गिरफ्तार किया है। कुम्भानी तीर्थ गोपीकॉन कंपनी के एमडी हैं। यह अभी जेल में हैं। जिला कोर्ट से जमानत खारिज हो चुकी है। इन गारंटी के जरिए 970 करोड़ का ठेका लिया गया था। साथ ही, 84 करोड़ काम के बदले में एडवांस भी सरकार से उठाया गया था।
- गौरव धाकड़, जो जेल में बंद है, इंदौर के बिचौली मर्दाना का निवासी है। उसने राहुल गुप्ता से संपर्क किया था। इन दोनों ने तीन बैंक गारंटी की व्यवस्था की थी। इन्हें सही साबित करने का ठेका धाकड़ ने लिया था।
- 24 मार्च 2023 को ठेका होने के बाद तीर्थ गोपीकॉन ने अनुबंध कर गारंटी पेश की थी। जल निगम ने पीएनबी की बैंक आईडी पर गारंटी के सत्यापन के लिए मेल किए। इसके लिए यह मेल आईडी पीएनबी के मिलते जुलते डोमेन वाले थे।
- इस दौरान 24 मार्च 2023 से 31 मई 2024 के बीच कुल 12 ईमेल की जांच हुई। इनमें बैंक गारंटी असली बताई गई। बैंक गारंटी के सत्यापन के लिए दस्तावेज बागुईहाटी शाखा में थे। यहां के वरिष्ठ प्रबंधक गोविंद चंद्र हांसदा ने ये दस्तावेज राहुल गुप्ता को दिए। फिर राहुल ने झूठे सत्यापन भेजने की व्यवस्था की।
- इसके लिए राहुल गुप्ता के खाते से हांसदा को 7.65 लाख ट्रांसफर हुए। इसके अलावा, राकेश जागीरदार के खाते से 1 लाख गोविंद के खाते में ट्रांसफर हुआ। राकेश राऊ, इंदौर का निवासी है।

प्रेस्टीज प्रबंधन पर 3 एफआईआर, बसों में मिले थे शराबी ड्राइवर, अब एलन कोचिंग की बस में भी मिला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में स्कूल, कॉलेज और कोचिंग क्लासेस की बसों और वाहनों में ड्राइवरों का नशे में मिलना बंद नहीं हो रहा है। मेडिकैप्स ग्रुप की बसों से हुए हादसों में तीन लोगों की जान जा चुकी है। दो दिन पहले प्रेस्टीज स्कूल की तीन बसों के ड्राइवर नशे में मिले। सवाल उठाया कि सिर्फ ड्राइवर पर कार्रवाई क्यों, प्रबंधन पर क्यों नहीं? आखिर में अब प्रेस्टीज प्रबंधन पर भी तीन एफआईआर हुई हैं। उधर लगातार चल रही जांच में अब एलन कोचिंग के वाहन का ड्राइवर शराब के नशे में मिला है।

प्रेस्टीज स्कूल प्रबंधन (इंदौर प्रेस्टीज प्रबंधन पर 3 एफआईआर) पर बीएनएस

की धारा 281 के साथ-साथ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 और 179 के तहत तीन केस दर्ज किए गए हैं। थाना लसूडिया ने इन केसों में अलग-अलग ड्राइवरों पर केस बनाए हैं। सभी में प्रबंधन को भी आरोपी बनाया गया है। प्रेस्टीज स्कूल की बसों के ड्राइवर, जैसे संतोष दांगी, योगेश उईके और गजराज, सभी नशे में पाए गए थे। केस में लिखा गया है कि ये ड्राइवर शराब के नशे में बच्चों को बैठाकर तेज रफ्तार और लापरवाही से बस चला रहे थे, और स्कूल/कॉलेज प्रबंधन की भी लापरवाही सामने आई है।

रविवार को ट्रैफिक सूबेदार अरुण सिंह रेडिसन चौराहे पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान, उन्होंने मारुति सुजुकी ईको को रोका। इसमें एलन इंस्टीट्यूट के बच्चे जा रहे थे। जब वाहन को रोका गया, तो ड्राइवर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। फिर उसे विजयनगर थाने लाकर ब्रीथ एनालाइजर से चेक किया गया। इस दौरान ड्राइवर के शरीर में 100 मिलीलीटर में 48.7 मिलीग्राम शराब पाई गई। उस वाहन में 11 बच्चे बैठे थे। बच्चों को उनके माता-पिता और परिजनों को बुलवाकर घर भेज दिया गया। वाहन को जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ नशे में गाड़ी चलाने, बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने, बिना बीमा और बिना रजिस्ट्रेशन के गाड़ी चलाने पर केस दर्ज किया गया है।

उद्योगपति ने कमाई छिपाई

कोर्ट ने आईटी, जीएसटी रिटर्न देखकर पत्नी के लिए भरण-पोषण भत्ते के आदेश दिए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गुजरात के एक उद्योगपति ने इंदौर की महिला को छोड़ दिया था। इसके बाद भरण-पोषण देने में भी आनाकानी की थी। ऐसे में महिला ने जिला कोर्ट में केस लगाया था। कोर्ट में सुनवाई के दौरना उद्योगपति ने खुद को बेचारा साबित करने की कोशिश की। उसने अपने कामकाज को घाटे में बताया। कोर्ट ने आयकर और जीएसटी रिटर्न मांगे। इसके बाद उसकी कमाई का खुलासा हुआ। इसके चलते पत्नी को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने इसके बाद आदेश जारी किया।

मां और बेटी को मिली राहत-इंदौर जिला कोर्ट ने अहम आदेश जारी किया। इसमें इंदौर निवासी ट्वींकल उर्फ रूचि और उनकी 6 साल की बेटी का ध्यान रखा गया है। साथ ही, अंकलेश्वर सिटी, भरूच, गुजरात के उद्योगपति अमित टोलिया के खिलाफ आदेश दिया गया है। इसमें ढाई साल का बकाया एकमुश्त 21 लाख रुपए देने का आदेश दिया है। इसके अलावा, उन्हें हर महीने 70 हजार रुपए भरण-पोषण देने का भी आदेश दिया है। यह आदेश कुटुम्ब न्यायालय ने जारी किया है।

इस तरह हुआ विवाद-प्रकरण में प्रार्थी/पत्नी व बेटी की ओर से अधिवक्ता के.पी. माहेश्वरी ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में गुजरात में शादी हुई थी। बेटी होने के बाद पति प्रताड़ित करने लगा था। आखिरकार पत्नी साल 2023 में इंदौर आ गई थी। फरियादी पत्नी ने अतिरिक्त प्रधान जज धीरेन्द्रसिंह की कोर्ट में बताया कि अंकलेश्वर सिटी, गुजरात में संभव इंडस्ट्रीज का प्रतिवादी मालिक है। साथ ही, मुंबई में उसका दवाइयों का बड़ा कारोबार है और कई लक्जरी कारें, खुद का बंगला और अचल संपत्तियों का मालिक है। इसके बाद भी वह भरण-पोषण भत्ता नहीं दे रहा है। पति ने कोर्ट में कहा कि उसका व्यवसाय घाटे में चल रहा है। उसके पास कोई गाड़ी नहीं है और पत्नी उच्च शिक्षित है। पति ने जो शपथ पत्र और खुद के दस्तावेज पेश किए, उसे कोर्ट ने देखा। वर्ष 2020 के आई.टी.आर. में 12 लाख रुपए की आय पर टैक्स दिया गया था।

मेयर-इन-कौंसिल की आज बैठक, हो सकते हैं कई निर्णय

बीआरटीएस सहित विभिन्न मुद्दों पर होगा मंथन, शामिल होंगे जनप्रतिनिधि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंगलवार को मेयर-इन-कौंसिल की मीटिंग होना है। दोपहर 3 बजे निगम मुख्यालय स्थित महापौर सभागृह में ये मीटिंग होगी, जिसमें बीआरटीएस सहित अन्य मुद्दों पर मंथन किया जाएगा और जरूर निर्णय लिए जाएंगे। मीटिंग में कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

अगस्त 2022 से मार्च 2024 तक पारित एमआईसी संकल्प पर की गई कार्रवाई की समीक्षा। निरंजनपुर चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक बीआरटीएस पर आरआरसी मीडियन सेंट्रल डिवाईडर बनाने के संबंध में। जोन अंतर्गत विभिन्न चिह्नित क्षतिग्रस्त रास्तों पर डामर पेंचवर्क/रि-सर्फेसिंग काम की तकनीकी, प्रशासकीय और निविदा आमंत्रण की स्वीकृति के संबंध में। जोन क्रमांक 14 वार्ड क्रमांक 85 के अंतर्गत अक्षत गार्डन से सिरपुर टावर गेट नंबर 2 तक मेन रोड

का निर्माण करने के संबंध में। निगम स्वामित्व की पार्किंग की पांच वर्ष के लिए पीपीपी मोड पर प्राप्त अधिकतम दर स्वीकृति के संबंध में। महापौर पास योजना के अंतर्गत जारी किए जा रहे सिटी बस यात्री मासिक पास (प्री-पेड कार्ड और मोबाइल पास) में जुलाई 2025 और अगस्त 2025 में दिए गए रियायत के व्यय की प्रतिपूर्ति एवं बजट मद में राशि पुनर्विनियोग करने के संबंध में। वित्तीय वर्ष 2024-25 की तैयार बैलेंस। शीट को लेकर मेयर-इन-कौंसिल से सक्षम स्वीकृति भिजवाने के संबंध में।

खटारा बसों को लेकर परिवहन विभाग की सख्ती के बीच रास्ता तलाशने में जुटे बस संचालक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश की सड़कों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बीच आखिर परिवहन विभाग को 15 साल और उससे ज्यादा पुरानी हो चुकी खटारा बसों की याद आ गई है।

कड़ों के मुताबिक विभिन्न जिलों के बीच अब भी 15 साल पुरानी करीब 500 से ज्यादा बसें चल रही हैं, जबकि, नियमों के अनुसार इतनी पुरानी बसों को इंटर-सिटी, जिलों के बीच संचालन की अनुमति नहीं है। इसी आधार पर विभाग ने नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है, लेकिन मामले में कई पेंच भी हैं, दूसरी तरफ परिवहन विभाग का अल्टीमेटम मिलते ही बस संचालक भी सक्रिय हो गए हैं, माना जा रहा है कि संचालक इस मामले में अदालत की शरण ले सकते हैं, इधर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर विवेक शर्मा का कहना है कि नियम तोड़ने वाले बस संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी। अफसरों के मुताबिक नोटिस का जबाव आने के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई होगी।

राजधानी में 39 बस संचालकों को नोटिस : भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि शहर में चल रही 15 साल पुरानी 39 बसों की पहचान की गई है। इन संचालकों को नोटिस जारी कर दिया गया है। उन्हें आदेश दिया गया है कि या तो वे अपनी बसें अपडेट करें, या फिर परमिट सरेंडर करें, अन्यथा परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। शर्मा के मुताबिक आ वाले दिनों में कुछ और संचालकों को नोटिस जारी हो सकते हैं ।

पुरानी बसों के लिए एमव्ही एक्ट के तहत यह नियम: 15 साल पुरानी बस को जिलों के बीच यानि इंटर सिटी चलाने की अनुमति नहीं होती है। इसी तरह 10 से ज्यादा पुरानी बस इंटर स्टेट यानि राज्यों के बीच चलने के लिए अनफिट मानी जाती है। टूरिस्ट परमिट की 12 साल तक पुरानी बसों को अनुमति रहती है। स्कूल-कॉलेज बसें 15 साल से पुरानी बस भी फिटनेस प्रमाण पत्र मिलने तक तकनीकी रूप से चल सकती हैं।

एक याचिकाकर्ता ने एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग की

हाईकोर्ट ने आयोग को नोटिस जारी कर 26 तक जवाब मांगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हाईकोर्ट ने आयोग को नोटिस जारी कर 26 नवंबर तक जवाब तलब किया है। ये नोटिस याचिकाकर्ता ने एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के बाद किए। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में एसआईआर को लेकर पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने हाईकोर्ट की शरण ली है। कौशल ने एसआईआर

प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। इसमें शून्य पते पर फर्जी वोटर होने की बात प्रमुख से उठाया गया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए निर्वाचन आयोग से 26 नवंबर तक जवाब मांगा है। मध्यप्रदेश निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने अभिभाषक विभोर खंडेलवाल एवं अभिभाषक जयेश गुरनानी के मध्यम से उच्च न्यायालय

खंडपीठ इंदौर में याचिका दायर कर चुनौती दी है। याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला और बिनोद कुमार द्विवेदी ने मध्यप्रदेश निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश सरकार नगरीय प्रशासन विभाग, इंदौर कलेक्टर और इंदौर के सभी विधानसभा क्षेत्रों के रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। सभी को 26 नवंबर को जवाब पेश करना है।

संवैधानिक अधिकारों का हनन-हाईकोर्ट एडवोकेट विभोर खंडेलवाल और जयेश गुरनानी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता-सूची पुनरीक्षण का कार्य लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और भारतीय संविधान के प्रावधानों अनुसार किया जाता है। लेकिन मप्र निर्वाचन नियम 1994 अंतर्गत मतदाता सूची पुनरीक्षण किया जाना बताया है। जो विरोधाभासी है। हमने दोनों प्रक्रियाओं को रोकने की मांग की है।प्रावधानों में अंतर होने से स्थानीय स्तर पर की गई त्रुटि से अधिकारों का हनन हो रहा है।

निगम आयुक्त ने सभी अपर आयुक्त के वित्तीय अधिकार बढ़ाए

5 करोड़ तक की वित्तीय स्वीकृति दे सकेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● निगमायुक्त दिलीपकुमार यादव द्वारा आदेश जारी करते हुए नगर निगम में पदस्थ एवं कार्यरत समस्त अपर आयुक्तगणों को उनके आवंटित विभागों के कार्यों के सुचारू संचालन तथा समयबद्ध निष्पादन हेतु प्रशासकीय, वित्तीय एवं भुगतान स्वीकृति की सीमा में संशोधन किया गया है। आदेशानुसार अब अपर आयुक्त स्तर पर वित्तीय स्वीकृति की सीमा रुपये 2 करोड़ से बढ़ाकर रुपये 5 करोड़ कर दी गई है। इस संशोधन से संबंधित विभागों में चल रहे विकास कार्य, रखरखाव कार्य, सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं के उन्नयन सहित अन्य कार्यों के निष्पादन में और अधिक तेजी आएगी। विदित हो कि पूर्व में सभी अपर आयुक्तगणों को उनके विभागीय कार्यों के संपादन हेतु अधिकतम रुपये 2 करोड़ तक की प्रशासकीय / वित्तीय / भुगतान स्वीकृति प्रदान की गई थी। बढ़ती कार्य आवश्यकताओं, परियोजनाओं के विस्तार तथा कार्यों के समय पर पूर्ण होने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए निगमायुक्त द्वारा यह सीमा बढ़ाई गई है।

इस्टीमेट का भौतिक परीक्षण व सत्यापन के लिए समिति का किया गठन: इसी प्रकार आयुक्त दिलीप कुमार यादव द्वारा आदेश जारी करते हुए, विभाग, जोन स्तर से संपादित किये जाने वाले विकास कार्यों के तैयार किए जाने वाले प्राक्कलन (इस्टीमेट) का भौतिक सत्यापन, परीक्षण किये जाने हेतु समिति का गठन किया

गया। आयुक्त द्वारा निगम के विभिन्न विभागों यथा जनकार्य, ड्रेनेज, जलप्रदाय, उद्यान एवं अन्य विभागों के माध्यम से होने वाले विकास कार्य के लिए समिति का गठन किया गया, यह समिति जहां पर कार्य किया जाना है उस स्थल का भौतिक सत्यापन करने के उपरांत कार्य के प्राक्कलन (इस्टीमेट) तैयार कर कार्य की सक्षम स्वीकृति हेतु प्रकरण प्रस्तुत करेगी। आयुक्त यादव द्वारा जारी आदेश अनुसार राशि रूपये 5 लाख से 50 लाख तक प्रकरण जोन के जोनल अधिकारी, सहायक यंत्री, जलप्रदाय एवं संबंधित उपयंत्री की समिति द्वारा प्रकरण 7 दिवस में भौतिक सत्यापन करने के उपरांत तथा राशि रुपए 50 लाख से अधिक के प्रकरण संबंधित जोन के अपर आयुक्त, जोनल अधिकारी एवं संबंधित विभाग के विभाग प्रमुख / कार्यपालन यंत्री की समिति 15 दिवस में भौतिक सत्यापन करने के बाद प्रकरणों को सक्षम स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करेगी।

पहले समिति करेगी अनुमोदन

उपरोक्तानुसार गठित समिति द्वारा निर्धारित राशि की सीमा तक के विभाग,झोन स्तर से तैयार प्राक्कलन (इस्टीमेट) का संयुक्त रूप से भौतिक निरीक्षण / सत्यापन किया जाकर प्रकरण निर्धारित समयावधि में सक्षम स्वीकृति हेतु प्रेषित किया जायेगा, संबंधित झोन के अपर आयुक्तगणों को तैयार किये गये प्राक्कलन सूची संबंधित विभाग प्रमुख द्वारा उपलब्ध कराने संबंधी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।